■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-7 अंक-52)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 06 फरवरी ,2022

हिंदुओ व मुस्लिमों ने मिलकर मनाया हजरत अली का जन्मदिन

मानवतावादी मूल्यों के संस्थापक संत रविदास

'पद्म श्री' सम्मान से मेरे पूरे काम को मान्यता मिली: रवीना टंडन

न्यूज संक्षिप्त

मोदी ने सिक्किम के मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई दी

नयी दिल्ली, पांच फरवरी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के जन्मदिन पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग जी को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) के संस्थापक तमांग रविवार को 55 वर्ष के हो गए।

हैदराबाद को दहलाने की तैयारी में था लश्कर, खुलासा

पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आते हुए भारत के खिलाफ लगातार षड़यंत्र रच रहा है। पाकिस्तान भारत में कई साजिशों को अंजाम देने की फिराक में जुटा हुआ है। इसका खुलासा एनआईए की एफआईआर में हुआ है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई में लगातार आतंकियों की बड़े पैमाने पर भर्ती हो रही है।

एफआईआर के मुताबिक आईएसआई में भर्ती हो रहे युवकों को खास निर्देश दिए जा रहे है। एनआईए का कहना है कि हैदराबाद में आतंकी हमले करने की साजिश रची जा रही थी। इस आरोप में तीन लोगों के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला दर्ज हुआ है। इस मामले का मास्टरमाइंड अब्दुल जाहिद है। एनआईए को अब्दुल जाहिद के पास से कई हैंड ग्रेनेड बरामद हुए है। ये हैदराबाद में कई अन्य आतंकवाद से संबंधित मामलों में भी संलिप्त रहा है। जानकारी के मुताबिक अब्दुल पर लश्कर ए तैयबा और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संबंधित पाकिस्तानी हैंडलर्स के लिए युवाओं की भर्ती करने का आरोप है

गुजरात में 87 स्टेशनों का दो साल में होगा कायाकल्प

अहमदाबाद। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत दो साल में गुजरात के 87 स्टेशनों का कायाकल्प होगा। के लिए चयन किया गया है। नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रोजेक्ट के तहत डिजाइनें तैयार की गई है। इनके आधार पर तेजी से काम आगे बढ़ाते हुए इन्हें विश्वस्तरीय बनाया जाएगा।

इनमें अहमदाबाद शहर का असारवा, चांदलोडिया, मणिनगर, साबरमती, वटवा स्टेशन शामिल हैं। मध्य गुजरात के आणंद, डाकोर, करमसद, नडियाद, महेमदाबाद, खेड़ा रोड, दाहोद, गोधरा जंक्शन, लीमखेड़ा, वडोदरा, विश्वामित्री जंक्शन स्टेशन, प्रतापनगर, डभोई जंक्शन, मियागाम करजण, कीम, कोसंबा जंक्शन, विरमगाम, कलोल, उंझा शामिल हैं।उत्तर गुजरात में भीलडी, देरोल, हिम्मतनगर, महेसाणा, पालनपुर, पाटण व सिद्धपुर स्टेशन को चयनित किया है।राजकोट, भक्तिनगर, गोंडल, पडधरी, भाणवड, भाटिया, भावनगर, बोटाद जंक्शन, सिहोर जंक्शन, पालीताणा, महुवा, द्वारका, हापा, जामजोधपुर, जामनगर आदि है।

त्रिपुरा चुनाव 2023: बागी उम्मीदवारों ने खड़ी की परेशानी, विद्रोह रोकने की कोशिश में जुटी भाजपा

त्रिपुरा में कई निर्वाचन क्षेत्रों में आने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर काफी उथल पुथल मची हुई है। उम्मीदवारों को लेकर बीजेपी में इन दिनों काफी विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है। बीजेपी ने नए उम्मीदवारों के लिए कई पुराने उम्मीदवारों को लिस्ट में शामिल नहीं किया है।

ऐसी ही एक विधायक है मिमी जिसे नई उम्मीदवार मीना सरकार के लिए उम्मीदवार नहीं बनाया गया है। ऐसे में मिमी ने बीजेपी के खिलाफ जाने की पूरी रणनीति बना ली है। हालाँकि, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का एक समूह 5 फरवरी को चुनाव के बाद पुनर्वास का वादा कर उन्हें शांत करने में सफलता हासिल की है।

इसी बीच भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का एक समूह कैलाशहर में भी रंजन से मिलने गया था, जिस पर टीकू रॉय के खिलाफ दंगे भड़काने का आरोप है। उन्होंने विरोध के बीच ही नामांकन दाखिल किया। रंजन के ऐसे व्यवहार को देखते हुए भाजपा ने उन्हें भी समझाने का प्रयास किया। हालांकि पार्टी को रंजन सिन्हा को समझाने में सफलता नहीं मिली।

इसी बीच रंजन सिन्हा ने पार्टी के सीनियर लीडर्स द्वारा दिए गए ऑफर को मानने से मना कर दिया और चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की। कंचनपुर, जहां आईपीएफटी के वरिष्ठ नेता और आदिवासी कल्याण के निवर्तमान मंत्री प्रेम कुमार रियांग भाजपा-आईपीएफटी गठबंधन के हिस्से के रूप में चल रहे हैं, भाजपा के लिए एक और मुसीबत है। बागी भाजपा से नामांकन के उम्मीदवार बिमंजय रियांग वहां मैदान में उतरे और अपने समर्थकों के साथ स्थानीय मंडल कार्यालय पर कब्जा कर लिया।प्रेम कुमार रियांग को दौड़ से हटने के लिए राजी करने के प्रयासों के बावजूद, वह निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ने के लिए दृढ़ हैं। 2018 के चुनावों में, [illegible] को 9 सीटें दी गई थीं, और उन्होंने उनमें से 8 पर जीत हासिल की। इस बार, हालांकि, पार्टी को अपनी कम ताकत के कारण केवल 5 सीटें मिलीं।

आपराधिक न्याय प्रणाली संविधान का अपमान, सुप्रीमकोर्ट लगाये 'कानून के दुरुपयोग' पर रोक : चिदंबरम

नयी दिल्ली। जामिया नगर हिंसा मामले में छात्र कार्यकर्ता शरजील इमाम तथा 10 अन्य के आरोपमुक्त होने के एक दिन बाद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को कहा कि मुकदमे से पहले ही कैदी बनाने वाली आपराधिक न्याय प्रणाली संविधान का अपमान है तथा उन्होंने उच्चतम न्यायालय से 'कानून के आए दिन होने वाले दुरुपयोग' को खत्म करने का आग्रह किया। दिल्ली की एक अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी के जामिया नगर हिंसा मामले में छात्र कार्यकर्ता शरजील इमाम और आसिफ इकबाल तन्हा सहित 11 लोगों को शनिवार को आरोपमुक्त कर दिया तथा कहा कि चूंकि पुलिस वास्तविक अपराधियों को पकड़ पाने में असमर्थ रही और इसलिए उसने इन आरोपियों को 'बलि का बकरा' बना दिया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए चिदंबरम ने ट्वीट कर पूछा कि क्या आरोपियों के खिलाफ प्रथम दृष्टया कोई सबूत था। पूर्व गृह मंत्री ने कहा, 'अदालत का निष्कर्ष-स्पष्ट रूप से 'नहीं' है। कुछ आरोपी करीब 3 साल तक जेल में बंद रहे। कुछ को कई महीनों बाद जमानत मिली। यह मुकदमे से पहले कैदी बनाना है।% उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट कर कहा, 'मुकदमे की सुनवाई पूरी होने से पहले नागरिकों को जेल में रखने के लिए एक अयोग्य पुलिस और अति उत्साही अभियोजक जिम्मेदार हैं। उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी?' कांग्रेस नेता ने पूछा कि आरोपियों ने इतने महीने या साल जेल में बिताए, वे उन्हें कौन लौटाएगा। चिदंबरम ने कहा, 'मुकदमे से पहले कैदी बनाने की हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली भारत के संविधान खासतौर से अनुच्छेद 19 और 21 का अपमान है। उच्चतम न्यायालय को कानून के आए दिन होने वाले इस दुरुपयोग पर रोक लगानी होगी। जितनी जल्दी हो, उतना अच्छा।

भक्तों ने मां नर्मदा को चढ़ाई 108 साड़ी की चुनरी

नर्मदापुरम। माघ पूर्णिमा के अवसर पर आज रविवार को नर्मदापुरम में मां नर्मदा के प्रसिद्ध सेठानी घाट पर सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। वहीं यहां देर रात से ही दान पुण्य करने के चलते श्रद्धालुओं का आना शुरु हो गया था, जिसके बाद दिनभर शहर के सभी घाटों पर श्रद्धालुओं भीड़ रही।वहीं इस दिन यानि माघ पूर्णिमा पर नर्मदे हर के जयकारों के साथ मां नर्मदा के भक्तों की ओर से 108 साडी की चुनरी मां नर्मदा को एक तट से लेकर दूसरे तट तक चढाई गई। जानकारों के अनुसार माघ मास की पूर्णिमा रविवार को रवि पुष्य नक्षत्र के सर्वार्थसिद्धि और आयुष्मान योग में मनाई गई। इस दौरान लोगों ने मां नर्मदा में सुबह पर्व स्नान किया। वहीं माघी पूर्णिमा के इस दिन कई जगहों पर संत रविदासजी का जन्मोत्सव भी मनाया गया।साथ ही कई धार्मिक आयोजन भी होंगे।ज्योतिष के जानकारों के अनुसार पंचांग की गणना के मुताबिक रविवार को पुष्य नक्षत्र और आयुष्मान योग व कर्क राशि के चंद्रमा के चलते माघी पूर्णिमा पर शुभ योग बने। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और आयुष्मान योग होने के चलते यह पूर्णिमा विशेष रही। वहीं जो लोग माघ माह में स्नान की परंपरा को पूर्ण नहीं कर पाए थे, उन्होंने भी इस दिन तीर्थ पर स्नान करके अन्न, वस्त्र दान और पितरों का तर्पण और गो ग्रास सहित अन्य धार्मिक क्रियाएं संपादित किया। इससे माघ मास का पूर्ण फल (धर्मशास्त्र मान्यता) प्राप्त हुआ।जानकारों के अनुसार रवि पुष्य भी सर्वार्थ सिद्धि योग की श्रेणी में आता है।

पोषण युक्त मोटा अनाज मानवता को भारत का उपहार

नई दिल्ली। मोटा अनाज जिसे बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने श्रीअन्न नाम दिया है। इस मोटे अनाज यानी श्रीअन्न की महत्ता को पहचान कर 2023 को मिलेट वर्ष घोषित किया गया है। वहीं भारत मिलेट्स का विश्व भर में प्रचार प्रसार कर पथ प्रदर्शक बन रहा है। इसका उदाहरण भारतीय लोकतंत्र का मंदिर कही जाने वाली संसद में देखने को मिला। लगभग डेढ़ महीने पहले यानी 20 दिसंबर को एक अनोखे सहभोज का आयोजन किया गया था। देश के उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा के अध्यक्ष, पूर्व प्रधानमंत्री, संसद के दोनों सदनों के नेता, विभिन्न राजनैतिक दलों के अध्यक्ष, सांसदगण और अधिकारी मौजूद थे।

यह कोई भोजन पर मिलन का कार्यक्रम भर नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य जन-जन के पोषण और स्वास्थ्य से जुड़ाव था। इसके पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच रही है कि भारत के प्राचीन पोषक अनाज को भोजन की थाली फिर से सम्मानजनक स्थान मिले। ये आयोजन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की पहल पर वर्ष 2023 को दुनिया अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में मना रही है। इसके जरिए मिलेट्स यानी मोटा अनाज की खासियत दोबारा दुनिया के सामने लाना जरुरी है।मोटा अनाज यानी मिलेट्स मानवजाति के लिए प्रकृति की अनमोल देन है। भारतीय भोजन में मोटे अनाज का उपयोग करने की परंपरा रही है, लेकिन 1960 के दशक में हरित क्रांति के जरिए खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के कारण मोटे अनाज की तरफ ध्यान कम हुआ, जो समय के साथ साथ लोगों की थाली से ही गायब हो गया। समय के साथ इसकी खपत में आई कमी के कारण उत्पादन भी कम हुआ। हरित क्रांति से पहले मोटा अनाज लगभग 40 प्रतिशत होता था मगर बाद में इसमें गिरावट आई और ये 20 प्रतिशत रह गया। समय के साथ ही लोगों की खान पान की आदतों में भी बदलाव आया और थाली में पोषण से भरपूर अनाज की जगह कैलोरी से भरपूर महीन अनाज ने ले ली।

योग गुरु रामदेव के खिलाफ विवादित बयान देने के मामले में प्राथमिकी दर्ज

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर जिले के चौहटन थाने में रविवार को एक स्थानीय व्यक्ति ने योग गुरु स्वामी रामदेव के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज करवाई है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। चौहटन थानाधिकारी भुताराम ने बताया कि स्थानीय निवासी पठाई खान ने रविवार को योग गुरु बाबा रामदेव पर धार्मिक भावनाएं भड़काने संबंधी मामला दर्ज करवाया है। उन्होंने बताया कि दर्ज शिकायत के आधार पर भारतीय दंड संहिता की धारा 153 (ए), 295 (ए) और 298 के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि बृहस्पतिवार को बाड़मेर में संतों की एक सभा में योग गुरु बाबा रामदेव ने हिंदू धर्म की तुलना इस्लाम और ईसाई धर्म से करते हुए मुस्लिमों पर आतंक का

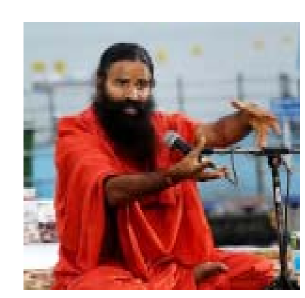

सहारा लेने और हिंदू लड़कियों का अपहरण करने का आरोप लगाया था।

पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली पर नशे की हालत में पत्नी को पीटने के आरोप में एफआईआर

मुंबई। मुंबई पुलिस ने नशे की हालत में पत्नी को कथित रूप से पीटने और अपशब्द कहने के आरोप में भारत के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है । एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को हुई इस घटना के सिलसिले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। कांबली की पत्नी एंड्रिया हेविट ने आरोप लगाया है कि कांबली ने उन पर खाना पकाने का बर्तन फेंक दिया था जिससे उनके सिर में चोट आई है। यह घटना शुक्रवार को दोपहर एक से डेढ़ बजे के बीच है जब कांबली बांद्रा स्थित अपने घर पर नशे की हालत में पहुंचे और पत्नी को अपशब्द कहने शुरू कर दिये। अधिकारी ने बताया कि उनकी पत्नी ने शिकायत में कहा है कि उनका 12 वर्ष का बेटा भी उस समय मौजूद था जिसने बीच बचाव की कोशिश की लेकिन कांबली ने रसोई में जाकर टूटा हुआ फ्राइंग पैन उठाया और अपनी पत्नी को मारा जिससे उसे चोट आई है। बाद में कांबली की पत्नी जांच के लिये भाभा अस्पताल गई। उनकी शिकायत के आधार पर पुलिस ने कांबली के खिलाफ आईपीसी की धारा 324 और 504 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच चल रही है।

महेंद्र सिंह धोनी के लंबे बालों पर फिदा थे परवेज मुशर्रफ

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ का 79 साल की उम्र में रविवार सुबह निधन हो गया। मुशर्रफ लंबे समय से बीमार चल रहे थे और उनका इलाज दुबई के एक अस्पताल में चल रहा था। परवेज मुशर्रफ को क्रिकेट बहुत पसंद था और वे पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के लंबे बालों के फैन थे। 2006 में जब सौरव गांगुली की कप्तानी वाली भारतीय टीम पाकिस्तान दौरे पर गई थी। तब मुशर्रफ ने धोनी के बालों की तारीफ की थी।

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ का दुबई में निधन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति जनरल (सेवानिवृत्त) परवेज मुशर्रफ का दुबई में निधन हो गया। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मुशर्रफ ने दुबई के अस्पताल में ली आखिरी सांस ली। 79 वर्षीय मुशर्रफ ने 1999 से 2008 तक पाकिस्तान पर शासन किया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वह अमाइलॉइडोसिस बीमारी से जूझ रहे थे। मुशर्रफ 2016 से दुबई में ही रह रहे थे। मुशर्रफ का जो अंतिम वीडियो सामने आया उसमें वह चलने में असमर्थ दिख रहे थे। वह खाना भी नहीं खा पा रहे थे। 11 अगस्त, 1943 को परवेज मुशर्रफ का जन्म नई दिल्ली के दरियागंज में हुआ था। 1947 में विभाजन के महज कुछ दिन पहले ही उनका पूरा परिवार पाकिस्तान पहुंचा। उनके पिता सईद पाकिस्तान सरकार के विदेश मंत्रालय के साथ जुड़े। उल्लेखनीय है कि परवेज मुशर्रफ को पाकिस्तान में फांसी की सजा सुनाई गई थी। मुशर्रफ मार्च 2016 से दुबई में रह रहे थे।

कर्मचारियों, पेंशनभोगियों के महंगाई भत्ते को 4 प्रतिशत बढ़ा सकती है सरकार, फॉर्मूले पर बनी सहमति

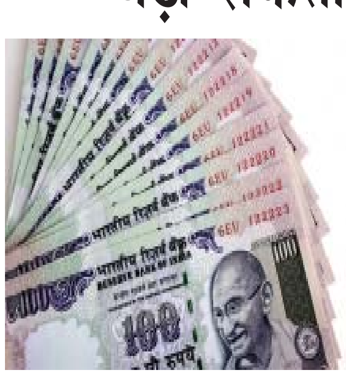

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार अपने एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए मंहगाई भत्ते (डीए) को मौजूदा के 38 प्रतिशत से 4 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर सकती है। इस उद्देश्य के लिए एक फॉर्मूला पर सहमति बनी है। कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते की गणना हर महीने श्रम ब्यूरो द्वारा जारी औद्योगिकी श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) के आधार पर की जाती है। श्रम ब्यूरो श्रम मंत्रालय का अंग है। ऑल इंडिया रेलवेमेन फेडरेशन के महासचिव शिव गोपाल मिश्रा ने कहा, 'दिसंबर, 2022 के लिए सीपीआई-आईडब्ल्यू 31 जनवरी, 2023 को जारी की गई थी। महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी 4.23 प्रतिशत बैठती है। लेकिन सरकार डीए में दशमलव को नहीं लेती। ऐसे में डीए में 4 प्रतिशत अंक की वृद्धि हो सकती है। इसे 38 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि वित्त मंत्रालय का व्यय विभाग डीए में वृद्धि का एक प्रस्ताव बनाएगा। इसमें इसके राजस्व प्रभाव के बारे में भी बताया जाएगा। इस प्रस्ताव को मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा। महंगाई भत्ते में वृद्धि एक जनवरी, 2023 से लागू होगी।

दो नाकाम कोशिशों के बाद फिर होगी सदन की बैठक... दिल्ली को कल मिलेगा नया मेयर?

नयी दिल्ली। दिल्ली के महापौर को चुनने के लिए नगर निगम (एमसीडी) सदन की बैठक सोमवार को बुलाई गई है। इससे पहले महापौर चुनने की दो कोशिश नाकाम हो चुकी हैं। दिल्ली नगर निगम (डीएमसी) अधिनियम 1957 के तहत महापौर और उप महापौर का चुनाव नगर निकाय सदन की पहली बैठक में ही हो जाना चाहिए। हालांकि नगर निकाय चुनाव हुए दो महीने का समय बीत चुका है पर अब तक शहर को नया महापौर नहीं मिला है।इससे पहले एमसीडी सदन की बैठक छह जनवरी और 24 जनवरी को दो बार बुलाई गई थी, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और आम आदमी पार्टी (आप) के पार्षदों के हंगामे की वजह से पीठासीन अधिकारी ने महापौर का चुनाव कराए बिना कार्यवाही स्थगित कर दी। पिछले साल चार दिसंबर को संपन्न चुनाव के बाद 250 सदस्यीय निकाय सदन का पहला सत्र पूरी तरह से बेकार चला गया जबकि दूसरे सत्र में नामांकित सदस्यों के शपथ लेने के बाद निर्वाचित पार्षदों ने शपथ ली।शपथ लेने की कार्यवाही पूरी होने के बाद सदन के दूसरे सत्र को पीठासीन अधिकारी और भाजपा पार्षद सत्या शर्मा ने अगली तारीख के लिए स्थगित कर दिया। भाजपा सदस्यों ने चेम्बर के बाहर आप विरोधी और (दिल्ली के मुख्यमंत्री)अरविंद केजरीवाल विरोधी नारेबाजी की जबकि आप सदस्यों ने सदन में करीब पांच घंटे तक शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। निकाय सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद राज्य सभा सदस्य संजय सिंह सहित आप नेताओं ने दावा किया कि महापौर का चुनाव नहीं होने दिया जा रहा है और भाजपा''लोकतंत्र का गला घोंटकर खतरनाक परंपरा शुरू कर रही है।''
एमसीडी चुनाव में आप 134 पार्षदों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी थी जबकि भाजपा को 104 सीटों पर जीत मिली थी। कांग्रेस ने नौ सीटें जीती थीं।

सभी देशवासियों, राज्यवासियों, नगर वासियों एवं क्षेत्रीयवासियों, सम्पादक साथियों व मेरे प्रिय पत्रकार भाइयों सहित शासन-प्रशासन और देश-प्रदेश से जुड़े हुए बी पी एस न्यूज के पाठक व सम्मानित मित्रों को बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से

शिवरात्रि

की हार्दिक शुभकामनाएं

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें

www.bpsnews.in

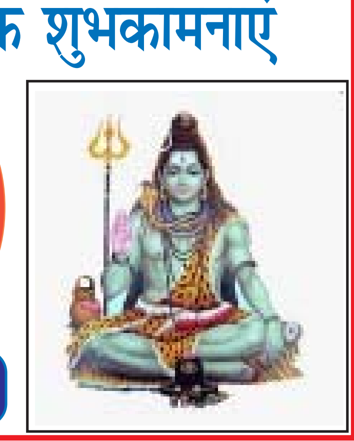

सम्पादक

बी.पी. साहू

8423454502,

9335908846

संपादकीय

जीवन रेखा को संबल

आखिरकार राजग सरकार ने इस सत्य को स्वीकारा है कि देश में परिवहन व माल ढुलाई के सबसे सुलभ साधन रेलवे के उत्थान के बिना विकास को गति नहीं मिलेगी। तभी बजट में रेलवे के लिये अब तक उच्चतम पूंजी परिव्यय निर्धारित किया गया है। संसद में प्रस्तुत हालिया बजट में अब तक का सर्वाधिक पूंजीगत परिव्यय 2.4 लाख करोड़ रुपये रखा गया है। यह राशि वर्ष 2013-14 के मुकाबले नौ गुनी है। निस्संदेह, यह देश की जीवन रेखा कही जाने वाले रेलवे के विकास -आधुनिकीकरण के लिये शुभ संकेत है। यह अच्छी बात है कि कोविड संक्रमण के दौरान रेलवे जिस बड़े संकट से जूझा है, उससे अब उबरने लगा है। हालांकि, उस दौरान भी प्रवासी श्रमिकों को उनके गांव पहुंचाने व खाद्यान्न आपूर्ति में निर्णायक भूमिका निभाई थी। रेलवे की अर्थव्यवस्था पटरी पर लौट रही है, वह इस बात से पता चलता है कि पूरे देश में 'वंदे भारत ट्रेन' श्रृंखला को विस्तार दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि वंदे भारत एक्सप्रेस भारत की पहली स्वदेशी सेमी हाई-स्पीड ट्रेन है। जिसका निर्माण चेन्नई स्थित कोच फैक्ट्री द्वारा किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर यह उत्साहवर्धक है कि देश को अपनी पहली हाइड्रोजन ट्रेन दिसंबर तक मिलने जा रही है। जो आत्मनिर्भर भारत अभियान की नई कामयाबी कही जा सकती है। महत्वपूर्ण यह भी कि अब तक भारत के पिच्चासी फीसदी से अधिक रेलवे नेटवर्क का विद्युतीकरण किया जा चुका है। निश्चित रूप से रेलों के लिये जहां ईंधन में स्वदेशी आत्मनिर्भता जरूरी है, वहीं पर्यावरणीय मुद्दों को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। भारत की हरित ऊर्जा की प्राथमिकताओं के प्रति गंभीरता रेलवे के अभियानों में नजर आनी चाहिए। साथ ही रोजगार की प्राथमिकताओं को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।बहरहाल, रेलवे प्रशासन के सामने मौजूद चुनौतियों के मद्देनजर हालिया बजट में वित्तीय संसाधनों की बड़ी वृद्धि इस क्षेत्र में अपार संभावनाओं के द्वार खोलती है। जहां रेलवे एक ओर आम लोगों का सस्ता व सुलभ आवागमन का जरिया है, वहीं करोड़ों लोगों का रोजगार भी इससे प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर जुड़ा होता है। राजस्व के मोर्चे पर मिल रहा सकारात्मक प्रतिसाद उम्मीद जगाने वाला है। अच्छी बात यह है कि अप्रैल से दिसंबर 2022 के बीच रेलवे यात्री किराये से विभाग की कुल आय 48,913 करोड़ रुपये हुई है। उल्लेखनीय है कि यह वृद्धि वर्ष 2021 में इसी समान नौ महीने की अवधि के दौरान हुई आय के मुकाबले 71 फीसदी अधिक है। यद्यपि माल ढुलाई राजस्व में भी वृद्धि हुई है, लेकिन यात्री भाड़े के मुकाबले तेजी उसमें नहीं देखी गई। निस्संदेह विभागीय प्रचालन तंत्र की लागत घटाना रेलवे के लिये एक बड़ी चुनौती है, जिसके चलते उसके मुनाफे में कमी आ जाती है। पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी सुझाव दिया था कि देश को बहु-मॉडल परिवहन के साथ एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने के बारे में सोचना चाहिए। जिसके अतंर्गत देश के जलमार्ग, राजमार्ग और रेलवे नेटवर्क आपस में जुड़े हों। इन प्रयासों से रेलवे की लागतों को कम करने तथा राजस्व को बढ़ाने में मदद मिल सकती है। जलमार्गों की क्षमता का उपयोग बढ़ाने से माल ढुलाई लागत में कमी लायी जा सकती है।

मीथेन नियंत्रण से रुकेगी ग्लोबल वार्मिंग

यह जानकारी निर्णय लेने वाले निकायों और अधिकारियों की मदद कर सकती है जो वायुमंडल में गैस की मात्रा को कम करने और जलवायु परिवर्तन को सीमित करने के लिए प्रयत्नशील हैं। अपशिष्ट क्षेत्र द्वारा उत्पादित मीथेन मानव निर्मित मीथेन उत्सर्जन में अनुमानित 20 प्रतिशत योगदान देती है। इस समय दुनिया के अपशिष्ट क्षेत्र से मीथेन उत्सर्जन के बारे में कार्रवाई योग्य जानकारी बहुत सीमित है। अपशिष्ट स्थलों से उच्च-उत्सर्जन स्त्रोतों की व्यापक समझ गैस के स्त्रोतों को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दुनिया में मीथेन गैस का लगातार बढ़ता हुआ उत्सर्जन चिंताजनक है क्योंकि यह एक ऐसी ग्रीनहाउस गैस है जिसकी वायुमंडल में उपस्थिति पृथ्वी के तापमान को प्रभावित करती है। मीथेन पृथ्वी के वातावरण में गर्मी को रोकती है। दिन के दौरान सूर्य वायुमंडल के माध्यम से चमकता है और ग्रह की सतह को गर्म करता है, जबकि रात में सतह से ठंडी हो जाती है और हवा में गर्मी वापस छोड़ देती है। बहरहाल, ग्रीनहाउस गैसें इस गर्म हवा में से कुछ को वायुमंडल में रोक सकती हैं जिसके परिणामस्वरूप ग्रह गर्म हो जाता है। मनुष्यों के कारण होने वाली ग्लोबल वार्मिंग का लगभग एक-चौथाई से एक-तिहाई का स्रोत मीथेन है। वायुमंडल में गर्मी को रोकने में मीथेन कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में 80 गुणा अधिक शक्तिशाली है।कार्बन डाइऑक्साइड सदियों तक हवा में बनी रहती है लेकिन मीथेन का वायुमंडलीय जीवनकाल लगभग एक या दो दशक का ही होता है। इसका मतलब यह है कि मीथेन उत्सर्जन में कमी लाकर वायुमंडलीय वार्मिंग को धीमा किया जा सकता है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का कारगर तरीके से मुकाबला करने के लिए इस गैस के स्रोतों का अंदाज लगाना जरूरी है। कार्बन मैपर नामक एक गैर-लाभकारी संगठन ने मीथेन उत्सर्जन के स्रोतों का पता लगाने के लिए अपशिष्ट स्थलों के सर्वेक्षण करने की योजना बनाई है। इसके लिए वह नासा के एमिट (अर्थ सरफेस मिनरल डस्ट सोर्स इन्वेस्टिगेशन) मिशन के साथ-साथ वर्तमान हवाई उपकरणों के डेटा का उपयोग करेगा। भविष्य में छोड़े जाने वाले उपग्रहों के उपकरणों से भी आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। नासा के एमिट उपकरण और अन्य वैज्ञानिक उपकरण अपशिष्ट स्थलों से मीथेन के उत्सर्जन के वैश्विक सर्वेक्षण का हिस्सा होंगे।ध्यान रहे कि एमिट उपकरण ने दुनिया भर में 50 से अधिक 'सुपर- एमिटर' क्षेत्रों की पहचान की है जो अभूतपूर्व स्तर पर मीथेन छोड़ रहे हैं। शीर्ष दोषियों में तुर्कमेनिस्तान, ईरान, न्यू मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। मीथेन सुपर-एमिटर के उदाहरणों में तुर्कमेनिस्तान के बंदरगाह शहर हजार के निकट स्थित तेल और गैस प्रतिष्ठान से मीथेन के 12 गुबारों का समूह शामिल है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि ये गुबार सामूहिक रूप से 50,400 किलोग्राम प्रति घंटे की दर से मीथेन उगलते हैं। एक और अन्य बड़ा उत्सर्जक न्यू मैक्सिको में पर्मियन घाटी तेल क्षेत्र है जो दुनिया के सबसे बड़े तेल क्षेत्रों में से एक है। इसने लगभग 3.3 किमी लंबा गुबार उत्पन्न किया। नासा के अनुसार मीथेन का तीसरा बड़ा अपराधी तेहरान के दक्षिण में एक अपशिष्ट-प्रसंस्करण परिसर है जो कम से कम तीन 4.8 किलोमीटर लंबा गुबार उत्सर्जित करता है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि पर्मियन साइट पर मीथेन की प्रवाह दर लगभग 18,300 किलोग्राम प्रति घंटे और ईरान साइट पर 8,500 किलोग्राम प्रति घंटे है। नासा के अधिकारियों ने कहा कि इनमें से किसी भी स्थल के बारे में वैज्ञानिकों को पहले से जानकारी नहीं थी।कार्बन मैपर की नई पहल का उद्देश्य मीथेन का उच्च दरों पर उत्सर्जन करने वाले अपशिष्ट स्थलों का मूल्यांकन करना है। यह जानकारी निर्णय लेने वाले निकायों और अधिकारियों की मदद कर सकती है जो वायुमंडल में गैस की मात्रा को कम करने और जलवायु परिवर्तन को सीमित करने के लिए प्रयत्नशील हैं। अपशिष्ट क्षेत्र द्वारा उत्पादित मीथेन मानव निर्मित मीथेन उत्सर्जन में अनुमानित 20 प्रतिशत योगदान देती है। इस समय दुनिया के अपशिष्ट क्षेत्र से मीथेन उत्सर्जन के बारे में कार्रवाई योग्य जानकारी बहुत सीमित है। अपशिष्ट स्थलों से उच्च-उत्सर्जन स्रोतों की व्यापक समझ गैस के स्रोतों को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नई तकनीकी क्षमताओं से इन उत्सर्जनों को देखना और इन्हें कार्रवाई योग्य बनाना संभव हो गया है।

कार्बन मैपर की परियोजना के तहत इस वर्ष अमेरिका और कनाडा के अलावा लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के 1000 से अधिक लैंडफिल का एक प्रारंभिक रिमोट-सेंसिंग सर्वेक्षण किया जाएगा । इन क्षेत्रों से डेटा एकत्र करने के लिए शोधकर्ता विमान-आधारित सेंसर का उपयोग करेंगे। इनमें नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला (जेपीएल) में विकसित विशेष इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर शामिल है। इसके अलावा वे एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी की ग्लोबल एयरबोर्न ऑब्जर्वेटरी का उपयोग करेंगे। कार्बन मैपर प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में शोधकर्ता एमिट से प्राप्त मीथेन डेटा का भी विश्लेषण करेंगे। पृथ्वी के प्रमुख धूल उत्पादक क्षेत्रों की सतह पर खनिज सामग्री को मापने के उद्देश्य से जुलाई, 2022 में अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर स्थापित किया गया था। एमिट स्पेक्ट्रोमीटर पृथ्वी से परावर्तित सौर ऊर्जा को मापता है। इसका मुख्य उद्देश्य हवा में मौजूद धूल और जलवायु परिवर्तन पर उसके प्रभावों का अध्ययन करना है। लेकिन नासा के वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि यह उपकरण उन क्षेत्रों का भी पता लगा सकता है जहां बड़ी मात्रा में मीथेन गैस का उत्पादन हो रहा है। नए खोजे गए मीथेन हॉटस्पॉट्स में तेल और गैस के बड़े-बड़े प्रतिष्ठान और बड़े लैंडफिल शामिल हैं।नासा के एक रिसर्च टेक्नोलॉजिस्ट एंड्रू थोर्प का कहना है कि एमिट द्वारा अंतरिक्ष से देखे गए मीथेन के कुछ गुबार बहुत बड़े हैं। ऐसे गुबार पहले कभी नहीं देखे गए। नासा का कहना है कि एमिट अपने साल भर के मिशन के समाप्त होने से पहले सैकड़ों अज्ञात मीथेन सुपर-एमिटर ढूंढ़ सकता है। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा, मीथेन उत्सर्जन में कमी ग्लोबल वार्मिंग को सीमित करने के लिए महत्वपूर्ण है। नासा की मुख्य वैज्ञानिक और वरिष्ठ जलवायु सलाहकार केट केल्विन ने कहा, हम यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि एमिट के खनिज डेटा जलवायु मॉडलिंग में कैसे सुधार करेंगे। यह अतिरिक्त मीथेन-डिटेक्टिंग क्षमता जलवायु परिवर्तन में योगदान देने वाली ग्रीनहाउस गैसों को मापने और निगरानी करने का एक बड़ा अवसर प्रदान करती है।कार्बन मैपर परियोजना के पहले वर्ष के बाद शोधकर्ता कार्बन मैपर उपग्रह कार्यक्रम में दो उपग्रहों का उपयोग करके दुनिया भर में 10,000 से अधिक लैंडफिल का व्यापक सर्वेक्षण करेंगे। ये उपग्रह जेपीएल में विकसित इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर टेक्नोलॉजी से लैस होंगे। परियोजना से डेटा कार्बन मैपर डेटा पोर्टल पर उपलब्ध होगा। अन्य शोधकर्ताओं और जनता के उपयोग के लिए उपकरण का डेटा नासा के आर्काइव सेंटर को वितरित किया जाएगा। इमेजिंग स्पेक्ट्रोमीटर का उपयोग पहले पौधों की पारिस्थितिकी, खनिज विज्ञान और पर्यावरणीय खतरों के अध्ययन के लिए किया जा चुका है।यह जानकारी निर्णय लेने वाले निकायों और अधिकारियों की मदद कर सकती है जो वायुमंडल में गैस की मात्रा को कम करने और जलवायु परिवर्तन को सीमित करने के लिए प्रयत्नशील हैं। अपशिष्ट क्षेत्र द्वारा उत्पादित मीथेन मानव निर्मित मीथेन उत्सर्जन में अनुमानित 20 प्रतिशत योगदान देती है। इस समय दुनिया के अपशिष्ट क्षेत्र से मीथेन उत्सर्जन के बारे में कार्रवाई योग्य जानकारी बहुत सीमित है। अपशिष्ट स्थलों से उच्च-उत्सर्जन स्रोतों की व्यापक समझ गैस के स्रोतों को कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हर जाति की अपनी उपयोगिता , वैमनस्य फैलाने वालों को नजरंदाज करें..!

आपने सुना होगा दुनिया से अगर मधुमक्खी ग़ायब हो जाए, तो पेड़ पौधे फूल फसल सब समाप्त हो जायेंगी. तो मानव जीवन बस चार वर्ष चलेगा । इसी तरह से यदि चिटियाँ ग़ायब हो जायें तो धरा की उर्वरा क्षमता बर्बाद हो जायेगी, ढेरों पक्षी जो मुख्यत: चिटियाँ खाते हैं वह भी समाप्त हो जाएँगे, वह समाप्त हुवे तो उन्हें खाने वाले और इस तरह से धीमे धीमे प्रकृति का सर्वनाश । परंतु यदि धरती से मनुष्य समाप्त हो जायें तो किसी अन्य पर कोई प्रभाव न पड़ेगा । उल्टा प्रकृति का विनाश रुक जाएगा । सैंकड़ों प्रजातियाँ जो प्रकृति के दोहन से नष्ट हो रही हैं वह बच जायेंगी । लेकिन इसके बावजूद धरती का राजा है मनुष्य । बग़ैर ज़रूरत के धरती पर टिका ही नहीं है बल्कि सब पर राज अलग कर रहा है, प्रकृति का विनाश अलग कर रहा है ।मनुष्य में बहुत सारी खूबियाँ हैं जो अन्य पशु पक्षियों में नहीं हैं, पर मानवीय दिमाग़ की एक ख़ास बात है कुटिलता । इन दिनों आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस का शोर मचा हुआ है । मुझे अच्छे से पता है कोई मशीन कभी मनुष्य को रिप्लेस नहीं क्योंकि इंसान जैसा दिमाग़ तो ले आओगे पर मनुष्यों जैसी कुटिलता कहाँ से लाओगे ? एआई फ़ील्ड में सबसे ज्यादा शोर इलोन मास्क ने मचाया । घोषणा कर दी कि उनकी कार ऑटोमैटिक ड्रिवेन होगी । तहलका मच गया । गाड़ियाँ बिक गईं । टेस्ला नंबर एक कंपनी बन गई ।छह वर्षों बाद पता चल रहा है कि मस्क ने झूठ बोला था । एक सामान्य उदाहरण लीजिए ओला उबर आई थीं । शोर मचा था कि अब लोग गाड़ियाँ ख़रीदना बंद कर देंगे ।कितनी अच्छी तकनीक है लोगों का कि जब मन हो ऐप से टैक्सी मंगा लो ।समय के साथ ओला उबर ऐसी बन गईं कि उन पर आप रिलाई नहीं कर सकते । जब ज़रूरत होगी, ड्राइवर राइड कैंसिल कर देगा । फ़ेक डेस्टिनेशन डाल ज्यादा पैसे वसूल लेगा । आप रिलाई नहीं कर सकते ओला उबर सॉफ़्टवेयर पर । दुनिया में चाहे जो तकनीक आ जाये चाहे जो मशीन आ जाये, जब तक इंसान के मस्तिष्क में ये कमीनगी है कोई मशीन कभी इंसान पर विजय नहीं पा सकती । यूँ तो अभी चुनावी दिन बांकी हैं लेकिन मेरी सोसाइटी के व्हाट्स एप ग्रुप में रामचरित मानस को लेकर विवाद चरम पर है । लगभग आधे लोगों को इस बार यह दिवस भी सेलिब्रेट करना है. वामपंथियों की तरह ये गुट बिलकुल एकजुट है । उधर जो लोग विरोध में हैं उनमे से आधे ही मुखर हैं ।ये लोग दबी जबान में इसका विरोध कर रहे । बांकी मेरे जैसे कुछ गुम्मा लोग उदासीन ही हैं ।एक व्यक्ति जिसने इसे सनातन के विरोध में कहा उसके कमेन्ट पर तीन लोगों ने हँसने की इमोजी वाला रिएक्शन दिया है ।मैं किसी के विरोध या समर्थन में नहीं हूँ। असल में मेरे पास इन सबपर खर्चने को समय ही नहीं है । मैं अपनी समस्याओं के साथ ही खुश हूँ ।आगे जब जो आएगा देखेंगे ।किसी दिवस या अन्य आयोजन पर शुरू से मेरा मत यही रहा है कि यदि आप भुत, वर्तमान और भविष्य को कलुषित नहीं कर रहे और उससे आपको ख़ुशी मिल रही तो कर लें. हम ईश्वर द्वारा दिए आकार और जीवन को जी रहे, वो हमें खुश देखकर खुश ही होगा ।वैसे हमारे समय में मात्र एक नजर देखना वैलेंटाइन हो जाया करता था । गुलाब देना अति हो जाती थी और चिट्ठी लिखना तो क्रांति ! हाल फ़िलहाल के सालों में अधिक यात्राओं वाले दौर में जब जब वैलेंटाइन वीक में यात्रा पर रहा, शक के घेरे में ही रहा. एक बार तो 14 फ़रवरी को फ्लाइट लेकर यात्रा करनी पड़ी थी । वजह थी दूसरों की ख़ुशी । खैर, ये खिस्सा और कभी । फ़िलहाल ग्रुप में विरोध वाले मुखर हो रहे. कुछ लोगों ने अपनी पार्किंग नहीं देने की घोषणा की है तो कुछ अपने बालकनी के सामने पंडाल की रस्सी नहीं देखना चाह रहे । एक भाई ने तो बीमार होने की बात करके लाउडस्पीकर के खिलाफ विरोधी स्वर उठा दिया है । मामला संगीन होता जा रहा है । लेडीज ग्रुप में जहाँ ब्यूटी पार्लर और ड्रेस को लेकर बातें हो रही वहीँ किसी ने मेरी पत्नी से शिकायत की है कि झा साहब तो किसी से बात ही नहीं करते । हाँ तो मैं अपनी समस्याओं की बात कर रहा था । फ़िलहाल मैंने पठान के झूमें जो पठान गाने पर स्टेप करने की कोशिश में एक नई समस्या बुला ली है ।दरअसल कई दिनों से कोशिश कर रहा था । आज ध्यान आया की अरे ये तो सन्नी देओल के जीत सिनेमा का स्टेप है, बस इसमें एक हाथ नीचे पटकना है । पटकना ठीक से नहीं आ पा रहा था । छोना बाबु द्वारा एक्सचेंज किये गुलाब को फेंकना याद किया फिर भी न हुआ, किसी मिथलानी द्वारा तुनकमिजाजी में नाक भान्गना भी ट्राय किया मगर काम न आया ।आख़िरकार पत्नी काम आई पटकने को हाथ में फील देने को पत्नी का एक मंहगा मेकअप का सामान ले लिया हाथ में टूट गया, समस्या तब हुई जब टूटे सामान को छुपाते श्रेया ने देख लिया और चुगलखोर लड़की ने घर आसमान में उठा लिया ।

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

लगभग आधे लोगों को इस बार यह दिवस भी सेलिब्रेट करना है. वामपंथियों की तरह ये गुट बिलकुल एकजुट है । उधर जो लोग विरोध में हैं उनमे से आधे ही मुखर हैं।ये लोग दबी जबान में इसका विरोध कर रहे । बांकी मेरे जैसे कुछ गुज़्मा लोग उदासीन ही हैं ।एक व्यक्ति जिसने इसे सनातन के विरोध में कहा उसके कमेन्ट पर तीन लोगों ने हँसने की इमोजी वाला रिएक्शन दिया है ।

पंजाबी फिल्म हनीमून ने सिनेमाघरों में किये 100 दिन पूरे....!

टी-सीरीज़ फिल्म्स, बावेजा स्टूडियो प्रोडक्शन और हनीकॉम्ब पिक्चर्स प्रोडक्शन के बैनर तले भूषण कुमार, हरमन बवेजा, कृष्ण कुमार और विक्की बहरी द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित पंजाबी फिल्म हनीमून ने सिनेमाघरों में 100 दिन पूरे कर लिए। अमरप्रीत जी एस छाबड़ा द्वारा निर्देशित हनीमून एक रोमांटिक-कॉमेडी है, जो एक नवविवाहित जोड़े की कहानी है, जिनकी हनीमून की योजना एक रोलर-कोस्टर राइड में बदल जाती है। गिप्पी ग्रेवाल और जैस्मीन भसीन अभिनीत हनीमून को मिली इस तरह की एक्सेप्शनल सक्सेस यह दर्शाती है कि कैसे क्षेत्रीय सिनेमा को मुख्यधारा के सिनेमा की तरह ही सिनेदर्शकों द्वारा सराहा जा रहा है। यह एक ऐसी पारिवारिक मनोरंजक फिल्म है जिसने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है और ऐसी बहुत रेयर रीजनल फिल्में हैं जो मील का पत्थर साबित हुई है। बकौल भूषण कुमार आज के समय में एक फिल्म का 100 दिन पूरा करना आसान नहीं है। हनीमून पंजाबी भाषा की एक ऐसी फिल्म है जिसे देश भर के दर्शकों ने पसंद किया है।इसकी भारी सफलता का एक कारण यह है कि इसमें कॉमेडी, रोमांस और पारिवारिक ड्रामा का सही मिश्रण है।

प्रस्तुति: काली दास पाण्डेय

आओ हौसलों को बुलंद रखें

आओ हौंसला चीटी से सीखें, बार बार गिरकर भी मंजिल तक ज़रूर पहुंचती है

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर तेजी से बढ़ते प्रौद्योगिकी के विकास के साए में मानव प्रजाति में भागमभाग लगी हुई है। हर देश अपने अपने स्तरपर नए अविष्कारों को प्रोत्साहन दे रहा है और विश्व पर राज करने की होड़ में शामिल होना चाहता है! नवोन्मेष, नवाचार, स्टार्टअप्स, नई नई प्रौद्योगिकियों को उत्साहित मन से और बुलंद हौसलों के साथ हर देश हर व्यक्ति निरंतरता बनाए हुए हैं हम आज इस बढ़ते प्रौद्योगिकी युग में, ऊपर विचारों में शामिल बुलंद हौसलों, शब्द को रेखांकित करेंगे और इस आर्टिकल के माध्यम से हौसला शब्द को विशाल उपलब्धि की सकारात्मकता पर चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम बुलंद हौसलों की उपलब्धियों की करें तो, बिल गेट्स सहित दुनिया के 20 धनी लोगों में से सात ऐसे लोग हैं जिन्होंने अपने स्कूल या कॉलेज तक की शिक्षा भी पूर्ण नहीं की है परंतु बुलंद हौसलों के बल पर आज इतने ऊंचे मुकाम पर पहुंचे हैं!यह है बुलंद हौसलों की ताकत!सामान्यत: सामान्य आदमी भाग्य में विश्वास रखते हैं कि भाग्य में नहीं है या नहीं था जबकि बुलंद हौंसला धारक व्यक्ति अपनां भाग्य खुद बनाने की कोशिश करने में विश्वास रखते हैं क्योंकि वह जानते हैं कि जब तक बुलंद हौसलों के साथ आगे बढ़कर अपना भाग्य विधाता स्वयं नहीं होंगे तबतक आत्मसंतुष्टि नहीं मिलेगी। साथियों बात अगर हम बुलंद हौसलों के कुछ विचारों की करें तो कहने वालों ने खूब ही कहा है। इससे फर्क नहीं पड़ता कि हमर क्या सोचते हैं, हम क्या बोलते हैं, हम क्या सुनते हैं, फर्क इससे पड़ता है कि हम क्या मानते हैं क्योंकि जो हमर मानते हैं आज नहीं तो कल हम वो बन जाते हैं। ये सोच कर निकल आगे बढ़ गिर के संभल,सफलता हमारे कदम चूमेगी सृष्टि भी संग हमारे झूमेगी। जिंदगी में कुछ फैसले हम खुद लेते हैं, और कुछ हमारी तकदीर! बस अंतर तो सिर्फ इतना है कि, तकदीर के फैसले हमें पसंद नहीं आते और हमारे फैसले तकदीर पसंद नहीं करती! मंजिलें बहुत है और अफ़साने भी बहुत है, जिंदगी की राह में इम्तिहान भी बहुत है, मत करो दु:ख उसका जो कभी मिला नही दुनिया में खुश रहने के बहाने भी बहुत है। सपने देखो और उन्हें पूरा करो, आँखों में उम्मीद के ख़्वाब भरो उपनी मंजिल खुद तय करो, इस बेदर्द दुनिया से मत डरो। सपने देखो और उसे पूरा कर दिखाओ, अपनी तमन्नाओं के पर फैलाओ चाहे लाख मुसीबतें रास्ता रोके तुम्हारा, उम्मीदों के सहारे आगे बढ़ते जाओ। जब दुनिया तुम पर उँगलियाँ उठाए जब लोग तुम्हारे रास्ते में मुश्किलें बिछाएँ तो न हार हौसला इन मुश्किलों के आगे खुद को साबित कर विजेता, तू पलटकर वार कर। साथियों बात अगर हम हौसलों की करे तो, हौसलों की उड़ान कभी नाकामियाब नहीं होती, यह एक बहुत ही अच्छा प्रेरनादायी वाक्य है, इसका अर्थ होता है कि जो लोग अपने हौसलों को कभी कम नहीं होने देते और हमेशा कोशिश करते रहते है, वे कभी भी नाकामियाब नहीं होते उन्हें सफलता जरुर हासिल होती है, हमें भी कभी हार नहीं माननी चाहिए हमेशा कोशिश करते रहना चाहिए, क्यूकि हौसलों की उड़ान कभी नाकामियाब नहीं होती, कोशिश करते रहने से एक ना एक दिन हमें कमियाबी जरुर हासिल होती है। साथियों बाद अगर हम निरंतर बुलंद हौसलों के साथ बढ़ते रहने की करें तो, हमारे उपनिषदों का एक जीवन मन्त्र है, 'चरैवेति-चरैवेति-चरैवेति', हमने इस मन्त्र को जरुर सुना होगा। इसका अर्थ है, चलते रहो, चलते रहो। ये मंत्र हमारे देश में इतना लोकप्रिय इसलिए है क्योंकि सतत चलते रहना, गतिशील बने रहना, ये, हमारे स्वभाव का हिस्सा है। एक राष्ट के रूप में, हम, हजारों सालों की विकास यात्रा करते हुआ यहाँ तक पहुँचे हैं। एक समाज के रूप में, हम हमेशा, नए विचारों, नए बदलावों को स्वीकार करके आगे बढ़ते आए हैं। इसके पीछे हमारे सांस्कृतिक गतिशीलता और यात्राओं का बहुत बड़ा योगदान है। साथियों बात अगर हम बुलंद हौसलों की बात दिव्यांगों के परिपेक्ष में करें तो, दिव्यांगता जीवन को लाचार नहीं बना सकती। हमारे सामने में कई ऐसे मामले हैं जिन्हे देखकर यह कहना, मुश्किल है कि ऐसा काम कोई दिव्यांग भी कर सकता है। इन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। हालांकि आज भी इन्हें शासकीय सुविधाओं के लिए प्रशासन का मुंह ताकना पड़ता है। कई ऐसे दिव्यांग बच्चे हैं जिन्हें समेकित वातावरण में सामाजिक विविधता के साथ पढ़ने-लिखने और खेलने का मौका नहीं मिल रहा। वे पूर्ण विकास से दूर हैं। ये बच्चे बड़े होकर सामाजिक विविधता के बीच अपने बुलंद हौसले के साथ खुद का भविष्य बनाने में लगे हैं। सरकारी मदद तो नाम की मिलती है कुछ निजी निजी स्तर पर जरूर इन दिव्यांगों के जीवन को संवारने में सेवा भावना से नि:शुल्क जुटे हुए हैं।साथियों बात अगर हम बुलंद हौसलों के साथ सफ़लता पाने के मंत्रों की करें तो (1) हम सकारात्मक सोच रखें (2) हमेशा सीखने की आदत बनाए रखें (3) खुद को हमेशा प्रोत्साहित करते रहें (4) अच्छे साथियों का साथ बना कर रखें (5) बड़े बुजुर्गों की सलाह मार्गदर्शन आदेशों का पालन करें, अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन को ध्यान में रखें (6) नकारात्मक के विचार मन में कभी नहीं लाएं

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

(7) अपने लक्ष्य को टारगेट पर रखें (8) अपने लक्ष्य की पूरी सतर्कता के साथ पूरी रूपरेखा बनाएं (9) अपने लक्ष्यों को पूरा करने बुलंद हौसलों की ताकत झोंक दें (10) असफलताओं से घबराएं नहीं और हौसला सूरज से सीखे रोज ढलके भी हर दिन नई उम्मीद से निकलता है। साथियों बात अगर हम बुलंद हौसलों की परिणीति की करें तो मेरा मानना है कि जी-7 जर्मनी दौरे पर माननीय पीएम ने अप्रवासी भारतीयों के सामने भारत की गाथा में बुलंद हौसलों की परिणीति नजर आई उन्होंने कहा, आज भारत में हर महीने औसतन 5 हजार पेटेंट फाइल होते हैं आज भारत हर महीनें औसतन 500 से ज्यादा आधुनिक रेलवे कोच बना रहा है।

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिज़्मेदार होंगे।

- सज़्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सज़्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सज़्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नज़्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नज़्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

विधायक इरफान सोलंकी को किया गया अदालत में पेश

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। सपा विधायक इरफान सोलंकी पर जहां बीती 2 नवंबर 2022 को फातिमा द्वारा दी गयी तहरीर, जिसमें प्लाट पर कब्जे की कोशिश और आगजनी का मामला दर्ज कराय ागया था तो दूसरी ओर इरफान पर एक बांग्लादेशी नागरिक रिवान मोहम्मद की मदद करने, उसे भारतीय नागरिक बनाने के लिए प्रमाणपत्र तथा आधारकार्ड बनवाने में भी मामला दर्ज हुआ था, इसके साथ ही कई मामलों में इरफान के लिखाफ 7 अन्य मुकदमें दर्ज किये गये।

सपा विधायक इरफान सोलंकी हमेशा विवादों में रहे है लेकिन इस बार उन्होने एक बांग्लादेशी नागरिक रिवान मोहम्मद को फर्जी प्रकार से प्रमाणपत्र बनवाने में फंस चुके है, उसके बाद कई अन्य मामलों में भी उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया जा चुका है। दूसरी ओर प्लाट कब्जा करने और आगजनी करने पर जाजमऊ निवासिनी नसीर फातिमा की तहरीर पर भी मुकदमा दर्ज हआ था। पहले तो पुलिस से बचने के लिए विधायक इरफान फरार हो गये फिर बाद में उन्होने सेलेण्डर कर दिया। उन्हे महाराजगंज जेल से गुरूवार को आकर न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस बांग्लादेशी नागरिक रिजवान मोहम्मद के मामले में इरफान की रिमांड लेगी, क्योंकि अभी तक पुलिस ने पूरे प्रकरण में इरफान को आरोपी बनाया लेकिन उनकी रिमांड नही खिली थी। जब पुलिस ने रिमांड के लिए न्यायालय से अनुरोध किया था तो अभियुक्त को अदालत में पेश होना आवश्यक बताकर अदालत ने रिमांड देने से मना कर दिया था और फरवरी की 2 तारीख नियति की थी। बताया जाता है कि सपा विधायक को बुधवार की रात को महाराजगंज जेल से निकाला था तथा कन्नौज जेल में रखा था और वहीं से कडी सुरक्षा के बीच उन्हे पुलिस द्वारा दुपहर पौने 12 बजे अदालत के समक्ष पेश किया गया।

स्वामी प्रसाद मौर्य पर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कराने की मांग

- हिंदू धर्म विरोधी बयान व पवित्र ग्रंथ रामायण के प्रति अशोभनीय टिप्पणी पर थाना बर्रा पहुंचे जन संघ पार्टी के पदाधिकारी व सदस्य
- हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने, समाज को विभाजित करने तथा देशद्रोह का मुकदमा दर्ज की करने की मांग

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। भारत की राजनीति का स्तर दिन-प्रतिदिन गिरता जा रहा है, अपने राजनैतिक फायदे और स्वयं को जनता के बीच बनाये रखने के लिए इस देश में नेता किसी भी श्रेणी तक जा सकते है। देश और हिंदू धर्म पर लगातार प्रहार बढता जा रहा है। सत्य यही है कि मोदी विरोधी मोदी का विरोध करते-करते देश और हिंदू धर्म के विरोधी हो गये है और रामायण जैसे पवित्रग्रंथ पर अशोभनीय टिप्पणी करके स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते है। सपा के स्वामी प्रसाद मौर्य ने हिंदू धर्म के पवित्र ग्रंथ रामायण पर अशोभनीय टिप्पणी और प्रतिबन्धित करने के बयान के बाद जहां प्रदेश की नही देश के राजनैतिक पटल पर भूचाल आ गया तो अब स्वामी प्रसाद मौर्य के विरोध में स्वर बुलन्द होने लगे है और उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने का सिलसिला शुरू हो गया है।

जन संघ पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री राकेश दीक्षित के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बर्रा थाने पहुचे और स्वामी प्रसाद मौर्य पर समाज को विभाजित करने, सनातन धर्म को अपमानित करने, हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने पर थाना प्रभारी मानवेन्द्र सिंह को प्रार्थनापत्र देकर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग की। इस दौरान थाना परिसर में उपस्थित पार्टी के लोगों ने नारेबाजी भी की। जनसंघ पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री राकेश दीक्षित ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान से आम हिन्दू जनमानस आहत है तथा हिन्दुओं की भावनाओं को अति ठेस पहुंची है। श्री रामचरित मानस सनातन धर्म की जीवन रेखा है और हम सभी हिंदू इसे अपना सबसे पूज्य ग्रन्थ मानते है, स्वामी प्रसाद वोट की राजनीति में राम चरित मानस का अपमान किया, उसे प्रतिबन्धित करने की मांग की जो सहन नही किया जायेगा साथ ही तालिबानी तरीके से हमारे पवित्र ग्रंथ को जलाकर नष्ट कर घोर आपराधिक कृत्य किया है वह हिंदुओं की दृष्टि में क्षमा योग्य नही है। हमारी मांग है कि इनपर देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने के साथ ही सभी सनातन धर्म विरोधी अपराधियों की भारतीय नागरिकता भी समाप्त की जाये। उन्होने यह घोषणा भी की, कि स्वामी प्रसाद मौर्य के इस घृणित कृत्य के लिए यदि उनके कोई एक जूता मरेगा तो वह उसे 1 लाख रूपये तथा 2 जूता मारेगा उसे दो लाख रूपये देंगे, साथ ही उन्होने कहा कि चाहे मै कर्जा लेकर यह रकम दूं लेकिन जो भी स्वामी प्रसाद मौर्य के जितने जूते मारेगा व उसे उतने लाख रूपये देंगे। उन्होने कहा कि यदि उन्हे मौका मिलेगा तो वह भी स्वामी प्रसाद को जूता मारेंगे। इस दौरान राकेश दीक्षित, राज कुमार त्रिपाठी, श्रीराम गुप्ता, राहुल कश्यप, रजत मिश्रा, दीपक वर्मा, विजय त्रिपाठी, डीएस मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

सिर कुचला शव मिलने से मचा हडकंप

बीपीएस न्यूज कानपुर नगर। थानाक्षेत्र बिठूर के अंतर्गत मंधना बिठूर रोड के ब्राम बगदौधी बांगर के पास बुधवार की सुबह खेत में एक युवका का शव पडा होने की सूचना के बाद क्षेत्र में हडकंप मच गया। सुबह स्थानीय युवक जब क्रिकेट खेलने पहुंचे तो उन्होने शव को देखा, शव का सिर बुरी तरह कुचला हुआ था, माना जाता है कि किसी ने मृतक के सिर पर प्रहार कर उसकी हत्या कर दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी प्राप्त करने की कोशिश प्रारम्भ कर दी। थानाक्षेत्र बिठन के मंधना बिठूर मांग पर बुधवार की सुबह बगदौधी के पास एक खेत में एक युवका का सिर कुचला शव मिला जिसकी सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। मौके पर एडीसीपी लखनलाल यादव, एसीपी कल्याणपुर विकास कुमार पांडेय, बिठूर थाना प्रभारी अतुल कुमार सिंह के साथ ही डॉग स्क्वायड की टीम भी मौके पर पहुंची और छान-बीन शुरू की। मौके पर कुछ ही दूरी पर एक खून से सनीं इंट भी पुलिस ने बरामद की। मृतक के मोबइल की जब घंटी बजी तो पता चला कि बहन बेबी का फोन है, जिसके बाद यवुक की शिनाख्त 27 वर्षीय भैयालाल दोहरे के रूप में हुई ।वहीं उसने बताया कि मृतक की मां रेशमा सडवापुर मानीमऊ कन्नौज की रहने वाली है तथा रामा विश्वविधालय में सफाईकर्मी का काम करती है और बिठूर के रामनगर के एक मकान में किराये पर रहती है। वहीं मौके पर पहुंची मां रेशमा ने बताय कि कि मृतक भैया लाल पांच पुत्रों में सबसे बडा था तथा वह भी रामा विश्वविधालय में ही सफाईकर्मी के रूप में कार्यरत था। बताया कि मंगलवार की सुबह वह घर से निकला था लेकिन देर रात तक जब घर नही पहुंचा तो चिंता होने लगी। कई बार मोबाईल पर उससे संपर्क करने की कोशिश की गयी लेकिन उसका मोबाइल स्विच ऑफ था। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कानपुर : घर-घर जाकर नशा के प्रति लोगों को किया जागरूक

विनय कुमार

कानपुर। प्राथमिक विद्यालय अहिरवा में इंचार्ज प्रधानाध्यापक राजकुमार अग्निहोत्री के आवाहन पर कल्याण सेवा समिति द्वारा नशा मुक्ति हेतु 10 वर्ष से ऊपर बच्चों को एवं अभिभावकों को जागरूक किया गया।

राजकुमार अग्निहोत्री द्वारा विद्यालय के अभिभावकों के साथ-साथ अहिरउवा क्षेत्र में इसे एक अभियान के रूप में चलाए जाने पर सहमति बनी। सभी लोग ने घर-घर जाकर नशा के प्रति लोगों को जागरूक किया। श्री शैलेंद्र कुमार पाटिल (CPLI) द्वारा खेल एवं चित्रकला प्रतियोगिता कराई गई। श्री रविंद्र कुमार (ODIC) द्वारा निशुल्क दवा वितरण पर चर्चा की गई। अनुज कुमार तिवारी प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा गंभीर रूप से नशा करने वालों को 3 माह निशुल्क भर्ती के लिए बताया गया। जन कल्याण सेवा समिति के सहयोग से राजकुमार अग्निहोत्री द्वारा नशा मुक्त अभियान के प्रति जागरूकता के साथ-साथ इसे आंदोलन के रूप में संचालित करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर हुस्ना बेगम पूनम शर्मा रवि शंकर तिवारी विजय गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

ईमानदारी की मिसाल रहे स्वर्गीय पी एन राय

बीपीएस न्यूज-कानपुर। जनवरी 1936 को जिला सुल्तानपुर के दफ़्फ़र पुर में जन्म लेने के बाद वायुसेना में अपनी सेवाएं देने के बाद 1969 में सेवानिवृत्त हो कर उन्होंने कानपुर को ही अपनी कर्म भूमि बनाया,राजनीति एवम सामानिक जीवन मे सक्रिय होने के बाद 1996 में तत्कालीन वार्ड 40 से पार्षद चुने गये इसी कार्यकाल में वे कानपुर के डिप्टी मेयर भी रहे बाद में इसी वार्ड से 2001 में पुन: सभासद चुने गए विगत 50 सालों से गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार से जुड़े पी0एन0 राय जी निष्ठावान गायत्री साधक थे और अनेक बडे गायत्री यज्ञ उनके नेतृत्व में सम्पन्न हुए।

कानपुर मंडल शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी राज बहादुर सिंह चंदेल जीते, राज बहादुर चंदेल पहली बार 1992 में एमएलसी चुनाव जीते थे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। एमएलसी चुनाव में कानपुर शिक्षक खंड की सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार राज बहादुर चंदेल ने जीत दर्ज की। उन्होंने छठवीं बार एमएलसी के चुनाव में जीत दर्ज की है।

दरअसल, राज बहादुर चंदेल पहली बार 1992 में एमएलसी चुनाव जीते थे। तब उन्होंने कानपुर शिक्षक खंड की सीट पर जीत दर्ज की थी और पहली बार विधान परिषद के सदस्य चुने गए थे। इसके बाद यही क्रम आगे बढ़ा और राज बहादुर चंदेल ने 1998 में फिर कानपुर शिक्षक खंड की सीट से विधान परिषद के चुनाव में जीत दर्ज की. इसके बाद 2004 में तीसरी बार विधान परिषद का चुनाव जीते और सदस्य बने।

इस दौरान उन्होंने प्राइवेट स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूली के खिलाफ भी लड़ाई लड़ी थी। राज बहादुर चंदेल फिर से 2010 में एमएलसी का चुनाव लड़े और इस बार भी कानपुर शिक्षक खंड से जीत दर्ज की। चंदेल ने पांचवी बार फिर से 2017 में इसी सीट पर एमएलसी का चुनाव जीता और विधान परिषद में पहुंचे थे। अब फिर उन्होंने छठवीं बार जीत दर्ज की है. इस बार उन्होंने निर्दलीय उम्मीदवार हेमराज सिंह गौर को 1548 वोटों के अंतर से हराया है।

इस चुनाव में राज बहादुर चंदेल को 5290 वोट मिले हैं। जबकि दूसरे नंबर पर निर्दलीय हेमराज सिंह गौर को भी 3,681 वोट मिले हैं। इसके अलावा बीजेपी प्रत्याशी को करीब 32,00 वोट मिले और तीसरे नंबर पर रहे। वहीं सपा की प्रत्याशी चौथे स्थान पर रहीं। सपा प्रत्याशी को केवल 670 वोट मिले।

उनके निर्वाचन से जाति, धर्म, दलगत सीमा से उठकर प्रबुद्ध वर्ग के एक ईमानदार व्यक्तित्व को महत्व मिला है। भारत सेवक समाज के साथ-2 केंद्र-राज्य-सार्वजनिक क्षेत्रों सहित अनेक अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक एवं श्रमिक संघों में खुशी की लहर व्याप्त है, उसी क्रम में भारत सेवक समाज,उ0प्र0 एवं समन्वय समिति के महामंत्री शरद प्रकाश अग्रवाल ने सभी साथियों की ओर से आज प्रात: माल्यार्पण करके अपना हर्ष व्यक्त किया है।

बिना आईडी के किराये पर मकान देना महिला को पड़ा भारी, थाने पहुंची महिला किरन गुप्ता

- किराये पर मकान लेने आई महिला के साथ रहने लगा एक व्यक्ति बताया भतीजा पर निकला मुस्लिम युवक
- क्षेत्र में झांड-फूंक व इस्लाम सम्बन्धि कर रहा था गतिविधियां, क्षेत्रवासियों ने मकान की मालकिन को किया आगाह
- मकान मालकिन दूसरे मकान में थी रहती, इस मकान का एक हिस्सा दिया था किराये पर लेकिन चालाक महिला ने कर लिया था पूरे मकान पर कब्जा
- शक होने पर जब आधार कार्ड मांगा तो शातिर महिला व उसके साथी ने मकान छोड़ने की कर ली तैयारी, बात पहुंची पुलिस तक

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। आज के समय में किसी को भी मकान किराये पर देने, या किसी गैर परचित को काम पर रखने से पहले उसके सम्बन्ध में पूरी जानकारी लेना और क्षेत्रीय थाने में इसकी सूचना देखा सुरक्षा के दृष्टिकोण में महत्वपूर्ण भी है और सुरक्षित भी अन्यथा कभी-कभी इसका खामयाजा भुगतना पड जाता है। एक ऐसे की मामले में एक मकान की मालकिन बाल-बाल बच गयी। क्षेत्रीय लोगों के आगाह करने और स्वयं के भी संदेह होने पर महज तीन माह पहले एक महिला को किराये पर घर देने के बाद महिला के साथ एक संदिग्ध व्यक्ति रहने लगा। कई बार पूंछने पर महिला ने उस व्यक्ति को अपना भतीजा बताया लेकिर वह एक मुस्लिम युवक था और वह क्षेत्र में धीरे-धीरे झांड-फूंक का काम करने लगा साथ ही इस्लाम का भी प्रचार करने लगा। क्षेत्रीय लोगों ने इसकी शिकायत मकान की मालकिन से की और जब मकान मालकिन ने शातिर महिला से आधारकार्ड मांगा तो उसने मकान छोडने की बात कही तथा मंगलवार की सुबह सामान बांध जाने का जतन करने लगी। मकान मालकिन द्वारा पुलिस को सूचित किया गया।

महिला का वाहन पर लदा घर का सामन

एक महिला जिसका घर विश्वबैंक कर्रा डी-648 है उसने 30 अक्टूबर को किरन गुप्ता नाम की एक महिला को घर का कुछ हिस्सा किराये पर रहने को दिया। मकान मालकिन ने बताया कि वह अपने दूसरे घर पर रहती है तथा अकेली है ऐसे में उसने सोचा कि एक महिला जो अपने एक बेटे के साथ रहने आई है यही सोंचकर उसने किरन को कमरा किराये पर दे दिया। बताया कि उसके साथ उसका पुत्र आदित्य भी था, जिसके बारे में किरन ने बताया कि वह रामजानकी मंदिर के पास गुप्ता हार्डवेयर की दुकान में काम करता है। इसके बाद एक अन्य युवक भी आकर किरन के साथ रहने लगा, जिसे किरन ने अपना भतीजा बताया लेकिन वह युवक मोहल्ले में झांडफूंक का काम करने लगा। क्षेत्रीय लोगों की माने तो वह इस्लाम का भी प्रचार करने लगा, जिसके बाद लोगों ने मकान की मालकिन को बताया। इसके बाद मकानमालकिन ने किरन गुप्ता से युवक का आधारकार्ड मांगा तो किरन आनाकानी करने लगी और मकान छोडकर जाने को कहा। मंगलवार की सुबह जब किरन अपना सामन बांधकर वाहन पर रखने लगी तभी मकानमालकिन वहां पहुंच गयी और वहां खडी पुलिस से पूरी बात बताई, जिसके बाद मामला थाना बर्रा पहुंचा। मुख्यबात यह किरन के साथ रहने वाला युवक मुसिलम निकला जो बरेली का रहने वाला था। किरन और उस मुस्लिम युवक को थाने बुलाया गया, जहां थोडी ही देर बात युवक को छुडाने के लिए बडी-बडी हस्तियों का दबाव आने लगा। बताया जाता है कि मुस्लिम युवक बांदा का बदमाश भी है, जिसे तीन महीने से किरन गुप्ता ने अपने घर पर पनाह दे रखी थी और इस युवक को बचाने के लिए कई लोग सामने आ गये। फिलहाल मकान मालकिन की होशियारी के कारण एक बडा मामला होने से बच गया।

चार पर बीजेपी ने हासिल की जीत, एक पर निर्दलीय का कब्जा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की पांच सीटों के लिए हुए चुनाव के नतीजे शुक्रवार को घोषित किए गए जिनमें से चार सीटें सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खाते में गई है जबकि एक सीट पर निर्दलीय ने जीत दर्ज की है। इसी के साथ विधानमंडल के उच्च सदन में नेता प्रतिपक्ष का दर्जा हासिल करने की विपक्षी समाजवादी पार्टी की उम्मीदें चकनाचूर हो गई है।

उल्लेखनीय है कि विधान परिषद के तीन स्नातक और दो शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान 30 जनवरी को हुआ था और मतगणना बृहस्पतिवार शाम शुरू हुई और शुक्रवार को संपन्न हुई। बरेली, झांसी, गोरखपुर और कानपुर जिले में मतगणना हुई। मुरादाबाद में स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के लिए मतगणना भी बरेली में हुई। सपा के उच्च सदन (विधानपरिषद) में नौ सदस्य हैं और राज्य के उच्च सदन में विपक्ष के नेता का दर्जा हासिल करने के लिए एक और सदस्य की जरूरत थी ।उत्तर प्रदेश में 403 सदस्यीय विधानसभा में, मुख्य विपक्षी सपा के पास आवश्यक संख्या है और उसके प्रमुख अखिलेश यादव विपक्ष के नेता हैं।

विधान परिषद चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों की जीत पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर विजेताओं को बधाई दी और कहा, उत्तर प्रदेश विधान परिषद के चुनाव में विजयी सभी प्रत्याशियों को हार्दिक बधाई! राज्य विधान मंडल के उच्च सदन के लिए हुए चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को मिली यह जीत आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के प्रति अथाह जन विश्वास की प्रतीक है। उन्होंने कहा, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रखने वाले कर्मठ सदस्यों की उपस्थिति उ.प्र. विधान परिषद की गरिमा को बढ़ाएगी। नए सदस्यों के सार्वजनिक जीवन का सुदीर्घ अनुभव नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के निर्माण में सहयोगी सिद्ध होगा। आप सभी के उज्ज्वल भविष्य के प्रति मेरी शुभकामनाएं! गोरखपुर-फैजाबाद मंडल स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की सीट, इलाहाबाद-झांसी मंडल शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की सीट, बरेली-मुरादाबाद मंडल स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की सीट और कानपुर मंडल स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज की है।

कानपुर मंडल शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी राज बहादुर सिंह चंदेल जीते। इस जीत के साथ, 100 सदस्यीय उत्तर प्रदेश विधान परिषद में भाजपा सदस्यों की संख्या बढ़कर 79 हो गयी। गोरखपुर-फैजाबाद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के देवेंद्र प्रताप सिंह ने अपने निकटतम सपा प्रतिद्वंद्वी को 17,455 मतों के अंतर से हराया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर नगर सीट से विधायक हैं। इलाहाबाद (प्रयागराज)-झांसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के बाबूलाल तिवारी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी शिक्षक संघ के सुरेश त्रिपाठी को 1403 मतों के अंतर से हराया। बरेली-मुरादाबाद स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के जयपाल सिंह व्यस्त ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी सपा के शिवप्रताप सिंह यादव को 51,257 मतों के अंतर से हराया।

जयपाल सिंह व्यस्त को 92,771 वोट मिले थे। कानपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के अरुण पाठक ने 62,601 वोट हासिल किए और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कमलेश यादव को 9,316 वोटों से हराया। कानपुर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी राज बहादुर सिंह चंदेल को 5,229 वोट मिले और उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी हेमराज मीणा को 1,548 वोटों से हराया। विधान परिषद की इन पांच सीटों पर कुल भाजपा,सपा और निर्दलीय सहित 63 उम्मीदवार मैदान में थे। इनमें तीन स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों से 44 व दो शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों से 19 अभ्यर्थी शामिल थे। कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने इस चुनाव में अपने प्रत्याशी नहीं उतारे थे।

गोरखपुर-फैजाबाद संभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 43.19 प्रतिशत, कानपुर संभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 40.93 प्रतिशत, बरेली-मुरादाबाद संभाग स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में 53.72 प्रतिशत, इलाहाबाद-झांसी संभाग शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 75.86 प्रतिशत औरकानपुर संभाग शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में 68.93 प्रतिशत मतदान हुआ था। इन निर्वाचन क्षेत्रों के लिए जिन जिलों में मतदान हुआ था उनमें प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर, बांदा, चित्रकूट, हमीरपुर, महोबा, जालौन, झांसी, ललितपुर, कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, बदायूं, रामपुर, मुरादाबाद, अमरोहा, बिजनौर, संभल, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बस्ती, सिद्धार्थनगर, संत कबीर नगर, गोरखपुर, महाराजगंज, देवरिया, कुशीनगर, आजमगढ़, मऊ, सुल्तानपुर, अयोध्या, अमेठी और अंबेडकर नगर शामिल थे। विधानसभा परिषद में बहुजन समाज पार्टी, अपना दल (सोनेलाल), निषाद पार्टी, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के पास एक-एक सीट है।

भारतीय सेना ने चलाया गंगा को साफ रखने का जन जागरूकता अभियान

बीपीएस न्यूज -कानपुर । भारतीय सेना की 137 सीईटीएफ बटालियन 39 गोरखा राइफल्स ने आज कानपुर निगम स्थित कटरी चेकरी वॉर्ड न 12 शेखपुर ग्राम में गंगा स्वच्छता के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया इस मौके पर मुख्यअतिथि शेखपुर ग्राम प्रत्याशी पार्षद रमेश निषाद, ग्राम के प्राथमिक स्कूल के प्राध्यापक प्रदीप् कुमार उपस्थित थे, इस मौके पर गंगा टास्क फोर्स के सूबेदार हिरुगडे वी आर और अन्य 10 जवान मौजूद रहे गंगा टास्क फोर्स के कमान अधिकारी कर्नल वेदव्रत वैद्य के दिशा निर्देशन पर गंगा की सफाई, जागरूक अभियान, पौधारोपण, घाट स्वच्छता अभियान विगत 4 सालों से चलाया जा रहा है इस अवसर पर शेकपुर ग्राम के समस्त ग्राम वासियों को एकत्रित करके गंगा को साफ रखने के लिए प्रेरित किया गया और गंगा संकल्प दिया गया इस अवसर पर मुख्य अतिथि कानपूर के शेखपुर ग्राम प्रत्याशी पार्षद रमेश निषाद ने गांव वालों को गंगा स्वच्छ रखने की हिदायतें दी गई साथ में गंगा टास्क फोर्स काम की प्रशंसा की गई इस कार्यक्रम में शेकपुर ग्राम के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे 7 ने बताया कि घटना की जांच के विधिक कार्यवाही की जाएगी।

सूचना के अधिकार अन्तर्गत हुई मण्डल स्तरीय कार्यशाला

प्रशासनिक सुधार विभाग ने पावर प्वाइंट प्रजेनटेशन से दिया विस्तृत प्रशिक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 व उ0प्र0 सूचना का अधिकार नियमावली, 2015 के अन्तर्गत मण्डल स्तरीय कार्यशाला का आयोजन मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में हुआ। जिसमें मण्डल के समस्त जनपदों के ब्लाक, तहसील, जिला व मण्डल स्तरीय समस्त विभागों के जन सूचना अधिकारी व प्रथम अपीलीय अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला में प्रशासनिक सुधार विभाग शासन के स्टेट रिर्सोस पर्सन डॉ. राहुल सिंह व उनकी टीम द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम व नियमावली के तहत सभी बिन्दुओं पर जन सूचना अधिकारियों व प्रथम अपीलीय अधिकारियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुये पावर प्वाइंट प्रजेनटेशन के माध्यम से विस्तृत रुप से प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

कार्यशाला का शुभारम्भ मण्डलायुक्त डा. राजशेखर ने दीप प्रज्वलन करके किया। अपने उद्बोधन में मण्डलायुक्त ने समस्त विभागों के उपस्थित जन सूचना अधिकारियों व प्रथम अपीलीय अधिकारियों से निम्न अपेक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये। जन सूचना अधिकारियों से अपेक्षा की गयी कि सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत जो भी प्रार्थना पत्र विभाग को प्राप्त हो उस पर निर्धारित समयावधि में आवेदक को सूचना उपलब्ध करायी जाय। मंडलायुक्त ने कहा कि समस्त प्रकार के प्राप्त होने वाले जन सूचना पत्रों के अनुश्रवण हेतु नियमित रुप से आरटीआई आवेदन पत्र रजिस्टर में उनकों दर्ज किया जाय। प्राप्त आवेदनों के निस्तारण के सम्बन्ध में अपेक्षा की गयी कि आवेदन का विस्तृत परीक्षण करते हुये यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि मांगी गयी सूचना में ऐसे अनुपलब्ध आंकड़ो का नया संग्रह किया जाना अर्न्तवलित नही होना चाहिए। मांगी गयी सूचना में विद्यमान आंकड़ो का नये सिरे से विश्लेषण की आवश्यकता नही होनी चाहिए तथा मांगी गयी सूचना में काल्पनिक व क्यों प्रकार के प्रश्नों के उत्तर प्रदान करना अर्न्तग्रस्त नही होना चाहिए। अन्त में मण्डलायुक्त द्वारा संयुक्त विकास आयुक्त मण्डल एनबी सविता को निर्देशित किया गया कि आरटीआई के अर्न्तगत समस्त विभागों को माह में प्राप्त होने वाले आवेदनों व उसके सापेक्ष निस्तारण की क्या स्थिति है, की जानकारी प्राप्त कर अवगत कराये ताकि समीक्षा कर इस पर कार्यवाही की जा सके।

सड़क सुरक्षा यातायात जागरूकता माह का हुआ समापन

प्रतिभागी छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में कानपुर जनपद में 5 जनवरी से लेकर 4 फरवरी तक सड़क सुरक्षा माह का आयोजन सड़क सुरक्षा समिति के विभिन्न स्टॉकहोल्डर्स के द्वारा किया गया। कानपुर जनपद में षनिवार को सड़क सुरक्षा माह के समापन के आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस उपायुक्त यातायात तेज स्वरूप सिंह रहे। सबसे पहले संभागीय परिवहन अधिकारी राजेश सिंह ने महीने भर आयोजित होने वाले समस्त कार्यक्रमों की रूपरेखा और उनकी सफलता के बारे में बताया। सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम के तहत प्रत्येक दिन प्रवर्तन कार्रवाई, प्रशिक्षण कार्यक्रम, मानव श्रृंखला का आयोजन जिसके तहत जिले के समस्त प्राथमिक माध्यमिक और उच्च शिक्षा में मानव श्रृंखला और सड़क सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। लोक निर्माण विभाग, यातायात पुलिस, परिवहन निगम और चिकित्सा विभाग के द्वारा भी इस कार्यक्रम में विशेष सहयोग दिया गया। कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि के तहत जनपद में तीन गुड सेमैटेरिया व्यक्ति एस पी सिंह, डॉक्टर संजय सिंह, और मीनाक्षी गुप्ता का चयन किया गया जिनको की लखनऊ में कार्यक्रम के समायोजन के तहत परिवहन मंत्री के द्वारा सम्मानित किया गया। पुलिस उपायुक्त के द्वारा जिले में आयोजित प्राथमिक माध्यमिक और उच्च शिक्षा के चित्रकला क्विज और निबंध प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र और छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले बच्चे को ?3000, स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को ?2000 और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को ?1000 का पुरस्कार प्रशस्ति पत्र और दीनदयाल उपाध्याय इंटर कॉलेज नवाबगंज के अध्यापक किशन अवस्थी, अजय और अंकित जी को सड़क सुरक्षा माह में विशेष योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया। संभागीय परिवहन अधिकारी प्रवर्तन श्रीमती विदिशा सिंह ने बताया कि सड़क सुरक्षा जागरूकता हेतु आगे भी कार्यक्रम चलाए जाते रहेंगे जिससे कि जिले में दुर्घटना कम किया जा सके। समापन कार्यक्रम में पत्रकार बंधुओं को विशेष तौर पर धन्यवाद संभागीय परिवहन अधिकारी के द्वारा दिया गया, क्योंकि महीने भर चले कार्यक्रम के तहत जिले में प्रचार प्रसार हेतु इनका योगदान बहुत ही महत्वपूर्ण रहा है। एआरटीओ प्रवर्तन श्री सुनील दत्त उदयवीर सिंह अंबुज और मानवेंद्र सिंह ने महीने भर चले सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में योगदान दिया। कानपुर जनपद की विभिन्न यूनियन ने कार्यक्रम में जागरूकता हेतु विशेष योगदान दिया। सड़क सुरक्षा जागरूकता का कार्यक्रम आगे भी चलता रहेगा।

सजेती में खनन जांच: एसडीएम ने लेखपाल को जांच के लिए भेजा

रिपोर्ट के आधार पर खनन कराने वालों पर होगी कार्रवाई

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। सजेती के अमौली लिंक मार्ग पर स्थित खेतों को खनन माफियाओं ने तालाब में तब्दील कर दिया था, खबर चलने पर एसडीएम ने खनन मामले में लेखपाल को जांच के आदेश दिए है। तहसील प्रशासन जांच रिपोर्ट के आधार पर खनन माफियाओं पर कार्रवाई करेगा। जिससे क्षेत्र में हों रहे खनन पर रोक लगाई जा सके। यहां पर रातभर सड़क पर डंपर दौड़ते है, पुलिस जानकर अनजान बनी रहती है।

सजेती थाना क्षेत्र के बारीपाल गांव निवासी किसान बब्बू, पप्पू, चिरंगीलाल के खेत सजेती थाना क्षेत्र के अमौली रोड लिंक मार्ग पर स्थित है। यहां पर बीते तीन रातों से खनन हो रहा था। यहां पर खनन माफियाओं ने किसानों के खेत को तालाब के रूप में परिवर्तित कर दिया है। सजेती क्षेत्र में खनन माफिया सक्रिय होने की खबर चलते ही घाटमपुर एसडीएम अमित गुप्ता ने मामले को संज्ञान में लेकर स्थानीय लेखपाल अनुपम पटेल को मामले की जांच कर रिपोर्ट मांगी है। तहसील प्रशासन ने खनन माफियाओं पर शिकंजा कसने की तैयारी शुरू कर दी। जांच रिपोर्ट के आधार पर खनन कराने वालों पर कार्रवाई होगी। मामले में घाटमपुर एसडीएम अमित गुप्ता ने बताया कि लेखपाल को जांच के लिए भेजा है। रिपोर्ट के आधार पर खनन कराने वालों पर कार्रवाई की जाएगी।

3500 से 4000 रुपए प्रति डंपर बेचते है मिट्टी

सूत्रों के मुताबिक सजेती थाना क्षेत्र के बारीपाल रोड स्थित प्लाटो में मिट्टी पुराई करने के ऐवज में खनन माफिया प्रति डंपर 3500 से 4000 रुपए लेते हैं, जिसके बाद खनन माफिया पुलिस व राजस्व विभाग की सेटिंग करके क्षेत्र में मिट्टी खनन करके प्लाटो में मिट्टी पुराई का काम करते है। जिससे खनन माफिया राजस्व विभाग को लाखो रुपए के राजस्व का चूना लगा रहे है।

जनसामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना शासन की प्राथमिकता: डीएम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी द्वारा फूल बाग स्थित बाल भवन में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए लोगो की समस्याएं सुनी। जिलाधिकारी ने उपस्थित समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जनसामान्य की शिकायतों का स्थानीय स्तर पर समाधान किया जाना शासन की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा तहसील दिवस में प्राप्त समस्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराएं। समाधान दिवस में प्राप्त शिकायत के त्वरित निस्तारण हेतु तहसील दिवस से अलग अलग छह टीमों को भेजा जाये। जिसके आधार पर समस्त प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित कराया जाए। इस अवसर पर ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/ उप जिलाधिकारी सदर अभिवन गोपाल, मुख्य चिकित्साधिकरी डॉ. आलोक रंजन तथा अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

राम चरित मानस पर आपेक्ष करने वालो की बुद्धि के लिए हनुमान पाठ का हुआ आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हिन्दू समाज को एक सूत्र में जोड़ने वाला ग्रन्थ है श्री राम चरित मानस, मानस पर आक्षेप करने वालों की बुद्धि शुद्धि हेतु 1008 लोगों द्वारा सामूहिक श्री हनुमान चालीसा पाठ युग दधीचि देहदान संस्थान एवं विश्व हिन्दू परिषद के संयुक्त तत्वावधान में सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज डिफेन्स कालोनी में छात्रों, छात्राओ महिलाओं, शिक्षकों एवं समाजसेवियों द्वारा लगातार एक घण्टे तक श्री हनुमान चालीसा का पाठ करते हुये मानस पर आक्षेप करने वालों की बुद्धि - शुद्धि हेतु प्रार्थना की गई।

विहिप के प्रान्तीय अध्यक्ष राजीव माहना ने कहा कि श्री राम चरित मानस हिन्दूसमाज की एक सूत्र में जोड़ने वाला ग्रन्थ है, आज मानस पर आक्षेप कर समाज को तोड़ने का कुचक्र कुछ लोगों द्वारा रचा जा रहा है जिसे हिन्दू समाज सफल नहीं होने देगा। देहदान अभियान प्रमुख एवं कार्यक्रम संयोजक मनोज सेंगर ने कहा कि राम चरित मानस हिन्दू जनमानस के मन मानस में समाहित ग्रन्थ है जिसका पाठ और पारायण अनपढ़ व्यक्ति तक करते हैं इस ग्रन्थ पर आक्षेप करना समाज के हृदय स्थल पर आघात के समान हैं जिसे कोई संवेदन शील मन स्वीकार और सहन नहीं करेगा। कार्यक्रम में श्री हनुमान चालीसा पाठ से पूर्व विधिवत मन्त्रोच्चार के बीच श्री राम चरित मानस का पूजन किया गया तत्पश्चात वाद्य यंत्रोंके साथ संगीतमय पाठ प्रारम्भ हुआ। यहाँ पर रेडक्रास चेयर पर्सन डा. उमेश पालीवाल, धर्मसंघ संयोजक पं. शेषनारायण त्रिवेदी 'पप्पूजी, उप सभापति नगर निगम कैलाश पाण्डेय, विहिप जिलाध्यक्ष हेमन्त सेंगर, मनोज शर्मा, साजन राय, अनिल राय, रवि तिवारी एवं प्रधानाचार्य गोपाल धवन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मेडिकल एवं पैरामेडिकल स्टाफ के लिये शिशु संरक्षण पर आयोजित हुई कार्यशाला

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जीएसवीएम के निर्देशन में मेडिकल एवं पैरामेडिकल स्टाफ के लिये शिशु संरक्षण पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यषाला का जीएसवीएम कार्यशाला का शुभारंभ जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा0 संजय काला, स्त्री रोग विभागध्यक्ष डॉ. नीना गुप्ता , बाल रोग विभागध्यक्ष डॉ. यशवंत राव, एसआईसी डॉ. आर. के. मौर्य, डॉ. रीता गुप्ता एवं डॉ. सीमा दिवेदी द्वारा डीप प्रज्वलित कर किया गाया।

मुख्य अतिथि डॉ. संजय काला ने बताया की संयुक्त राष्ट्र द्वारा रिपोर्ट में भारत में 2018 में 7,21,000 शिशुओं की मृत्यु देखी गई है । अत: इस तरीके के कार्यक्रमों का आयोजन शिशु मृत्युदर को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दौरान कार्यक्रम की प्रमुख संयोजक डॉ नीना गुप्ता ने ब्रेस्ट क्रावलिंग की जानकारी दी और बताया की डिलीवरी के पश्चात जितनी जल्दी स्तनपान कराया जाये वह नवजात शिशु के लिए उतना ही लाभदायक साबित होता है और हम इससे शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। तो वहीं इस कार्यशाला के विशेषज्ञ डॉ. यशवंत राव ने बताया कि प्रसव के बाद देखभाल और सुरक्षा कि कमी के कारण बच्चों को जीवन भर गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। शिशु संरक्षण उनलोगों की रक्षा करने का प्रयास करता है जिन्हें हमारी सुरक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता है। प्रमुख वक्ता एवं प्रोग्राम संयोजक डा0 सीमा दिवेदी ने बताया कि शिशु संरक्षण की उपयोगिता को जनमानस तक पूर्णरूप पहुँचाने के लिए ही भारत सरकार ने 7 नवंबर को शिशु संरक्षण दिवस के रूप में चिन्हित किया है। यदि हम शांतिपूर्ण कल चाहते हैं तो नवजात शिशुओं के जीवन की रक्षा करना बहुत महत्वपूर्ण है। इस वर्ष , पर्याप्त विकास और देखभाल की उचित नीव को स्थिर करना प्रमुख लक्ष्य है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुगंध श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस दौरान कार्यशाला में लगभग 70 मेडिकल एवं पैरामेडिकल स्टाफ , मेट्रन हंसमोहिनी एवं शकुंतला लाल सहित विभाग के सभी संकाय सदस्य डॉ. रेनू गुप्ता, डॉ. शैली अग्रवाल, डॉ. पाविका लाल, डॉ. प्रतिमा वर्मा, डॉ. उरूज जहां, डॉ. गरिमा गुप्ता, डॉ. दिव्या दिवेदी, डॉ. अनीता गौतम, डॉ. रश्मि यादव, डॉ. सुचिता त्रिपाठी मौजूद रहे।

नशे में दोस्त को घर बुलाकर पत्नि से किया दुष्कर्म

कानपुर। हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक शख्स ने नशे की हालत में दोस्त को घर बुलाया। इसके बाद पति ने दोस्त के साथ मिलकर पत्नी के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़ित महिला ने पुलिस से मदद की गुहार लगाई। महिला की शिकायत पर चकेरी पुलिस ने दोस्त के साथ मिलकर पत्नी से सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी पति को संजीव नगर पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। महिला ने आरोप लगाया था कि 30 जनवरी की रात पति ने अपने दोस्त जिम्मी को घर बुलाया। उसके बाद दोनों ने साथ मिलकर उससे दुष्कर्म किया। थाना प्रभारी अंजन कुमार ने बताया कि जिम्मी की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द उसे भी गिरफ्तार कर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त ने निर्माणाधीन जनसुनवाई केंद्र का निरीक्षण कर दिये निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जी.एन. द्वारा शनिवार को नगर निगम में बन रहे शहर जनसुनवाई केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय मनीष अवस्थी मुख्य अभियन्ता व सम्बन्धित फर्म मे. आइडीयाज इंटीरियर वाई प्रोजेक्ट के अधिकारीगण उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि शहरी जनसुवाई केन्द्र के अन्तर्गत टाइल्स व पार्टीशन लगाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिपशन शिलिंग का कार्य प्रगति पर है। फ्रेम एवं ए.सी. का कार्य भी लगभग पूर्ण हो गया है। अवशेष कार्य लगभग 10 दिन में पूर्ण कर लिया जायेगा। नगर आयुक्त द्वारा निर्देश दिये गये कि कार्य में तेजी लाते हुए समय-सीमा के अन्दर कार्य पूर्ण किया जाये। प्रशासन एवं मुख्यालय बिल्डिंग पर कार पार्किंग के सम्बन्ध में फर्म को निर्देश दिये गये कि यहॉ पर कार पार्किंग हेतु एक ले-आउट प्लान तैयार कर जल्द से जल्द प्रस्तुत किया जाये, जिससे शीघ्र की कार पार्किंग हेतु मार्किंग की कार्यवाही प्रारम्भ की जा सके। दोपहिया वाहनों की पार्किंग के सम्बन्ध में स्मार्ट सिटी मुख्य द्वार की निरीक्षण करते हुए मुख्य अभियन्ता को निर्देश दिये गये कि स्मार्ट सिटी के प्रवेश द्वार की ओर पार्किंग हेतु रिक्त मैदान कर इण्टरलॉकिंग लगाया जाये, परन्तु उससे पूर्व ड्रेनेज की व्यवस्था को देख लिया जाये, ताकि बरसात के दिनों में जल निकासी के कारण जलभराव की स्थिति न उत्पन्न हो सके। यहॉ पर दोपहिया वाहनों के प्रवेश द्वार अलग व निकास द्वार प्रमिला सभागर की सड़क की ओर से किया जाये, इसे हेतु कार्ययोजना बनाकर तत्काल प्रस्तुत किया जाये।

डॉ. संजय कुमार को गुड सेमेरिटन अवार्ड से नवाजा गया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। डॉ संजय कुमार प्रोफ़ेसर अस्थि रोग विभाग जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज कानपुर को गुड सेमेरिटन का अवार्ड परिवहन मंत्री व लोक निर्माण मंत्री द्वारा दिया गया इसके साथ ही उन्हें 5 हज़ार नकद का पुरस्कार भी दिया गया। आपको बता दे कि प्रवीण शर्मा नामक युवक सड़क दुर्घटना में मरणासन्न स्थिति में पीडीए हुआ था जिसे तत्काल उपचार देने के पश्चात लाला लाजपत राय अस्पताल आकस्मिक विभाग में दिनांक 26 अक्टूबर 2022 को भर्ती कराने एवं व्यक्ति को समय रहते अस्पताल पहुंचाने तथा उसके प्राणों की रक्षा के लिए 5 जनवरी 2023 को कानपुर नगर के जिलाधिकारी विशाल जी द्वारा सड़क सुरक्षा माह के शुभारंभ के अवसर केंद्रीय कार्यशाला परिवहन विभाग कानपुर नगर के प्रेक्षा ग्रह में सम्मानित किया गया था। उसी क्रम में शनिवार 4 फरबरी को लखनऊ स्थित लोक निर्माण विभाग के प्रेक्षागृह मैं परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह की गरिमामई उपस्थिति में लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद जी के द्वारा सड़क सुरक्षा माह के राज्य स्तरीय समापन समारोह के अवसर पर उन्हें **गुड सेमेरिटन अवार्ड 2023* से सम्मानित किया गया तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर एवं शाल उढ़ाकर धनराशि रु 5000 का चेक देकर पुरस्कृत किया गया। डॉ संजय कुमार ने कई ऐसे ऑपरेशन किये है जो जटिल से भी जटिल थे, लेकिन अपनी सेवा भावना के चलते उन्होंने कई बार लोगो को बचाया है और उन्हें अपने पैरों पर खड़ा करने का काम किया है।

इन्वेस्टर्स सम्मिट मीट पर छात्र छात्राओं को रोजगार युक्त बनाये जाने के लिए उदाहरण किए गए प्रस्तुत

बीपीएस न्यूज

कानपुर । सीएसए के कैलाश भवन प्रेक्षागृह में आज यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के तहत इन्वेस्टर्स सम्मिट मीट कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ जल संरक्षण संदेश के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रवीर कुमार ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि युवा सरकारी नौकरी के साथ ही रोजगार के अन्य विकल्प भी तलाशें। कार्यक्रम में प्रदेश के ओजस्वी मुख्यमंत्री योगी योगी आदित्यनाथ के संदेश को भी सुनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने उपस्थित छात्र-छात्राओं को रोजगार युक्त बनाए जाने के लिए कई उदाहरण भी पावर पॉइंट के माध्यम से प्रस्तुत किए। उन्होंने प्रदेश में 10 फरवरी से 12 फरवरी तक ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ अन्य उद्यमिता के क्षेत्रों की भी जानकारी हासिल करनी चाहिए जिससे कि सरकारी नौकरियों के अतिरिक्त दूसरे उद्यमों के माध्यम से भी आगे बढ़ सके। उन्होंने कृषि क्षेत्र में कृषक उत्पादक संगठन (एफ़ पीओ) बनाकर तथा एकीकृत कृषि प्रणाली अपना कर किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे छात्रों एवं कृषक हितेषी शिक्षा, शोध एवं प्रसार गतिविधियों के कार्यक्रमों की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी निदेशक शोध डॉ विजय कुमार यादव ने बताया कि कार्यक्रम में सीएसए के अतिरिक्त कानपुर विश्वविद्यालय के छात्रों एवं शिक्षकों ने भी प्रदान किया है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सचिव, उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड निशा अनंत भी उपस्थित रहीं। अंत में सभी अतिथियों को धन्यवाद कानपुर के मुख्य विकास अधिकारी सुधीर कुमार ने दिया। जबकि कार्यक्रम का सफल संचालन डॉक्टर श्वेता यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर सी एल मौर्य, डॉक्टर मुनीष गंगवार, डॉक्टर आरके यादव, विश्वविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान सहित अन्य शिक्षक वैज्ञानिक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहीं।

रविवार, 5 फरवरी को माघ मास खत्म हुआ है। इसके बाद 6 तारीख से फाल्गुन शुरू होगा। रविवार को माघी पूर्णिमा और संत रविदास जयंती है। इस उत्सव पर पवित्र नदी में स्नान के बाद दान-पुण्य करने की परंपरा है। पूर्णिमा पर भगवान विष्णु का अभिषेक भी करना चाहिए।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, माघ मास में पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा पुराने समय से चली आ रही है। मान्यता है कि इस मास में किए गए तीर्थ दर्शन और नदी स्नान से अक्षय पुण्य मिलता है, जाने-अनजाने में किए गए पाप कर्मों का असर खत्म होता है। भक्ति में मन लगा रहता है और नकारात्मक विचार दूर होते हैं।

धार्मिक मान्यता की वजह से काफी भक्त रोज नदी में स्नान करते हैं, खासतौर प्रयागराज में नदियों के संगम पर लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। माघी पूर्णिमा पर माघ स्नान खत्म हो जाएंगे।

इस महीने में किसी नदी में स्नान नहीं कर पाए हैं तो पूर्णिमा पर अपने क्षेत्र की नदी में स्नान जरूर करना चाहिए। स्नान के बाद नदी के किनारे पर ही जरूरतमंद लोगों को अनाज और धन का दान करें।

नदी स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर ही करें ऐसे स्नान

जो लोग तीर्थ क्षेत्र नहीं जा पा रहे हैं, किसी पवित्र नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं, उन्हें घर पर ही नहाने के पानी में थोड़ा सा गंगाजल, काले तिल, चंदन मिलाकर स्नान करना चाहिए। ध्यान करते समय सभी तीर्थों का और पवित्र नदियों का ध्यान करना चाहिए।

माघी पूर्णिमा पर कर सकते हैं ये शुभ काम

माघ पूर्णिमा पर पूरे परिवार के साथ विष्णु पूजा करने से कुंडली के दोषों का असर कम होता है। विष्णु जी की कृपा से कार्यों में आ रही बाधाएं खत्म होती हैं, सफलता मिलती है और घर-परिवार में प्रेम बना रहता है।

पूर्णिमा पर पवित्र ग्रंथों का पाठ करना चाहिए। जैसे श्रीरामचरित मानस, श्रीमद् भागवत कथा, विष्णु पुराण, शिव पुराण आदि। ग्रंथों के पाठ के साथ ही अपने इष्टदेव के मंत्रों का जप भी करना चाहिए। विष्णु पूजा में तिल से बनी मिठाई का भोग जरूर लगाएं। जरूरतमंद लोगों को तिल का दान भी करें। इस दिन हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करें। आप चाहें तो ऊँ श्रीरामदूताय नमः मंत्र का जप भी कर सकते हैं। मंत्र जप कम से कम 108 बार करना चाहिए। पूर्णिमा पर शिव का जलाभिषेक करें। तांबे के लोटे में जल भरें और ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करते हुए पतली धार से शिवलिंग पर चढ़ाएं। शिव पूजा करें।

शुकदेव की राजा परीक्षित को सीख

नकारात्मक विचारों की वजह से मन अशांत रहता है तो ध्यान के साथ करें मंत्र जप

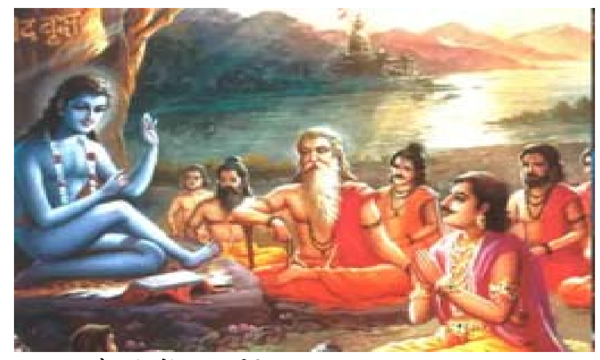

द्वापर युग के अंत में राजा परीक्षित को शाप मिला था कि सात दिन बाद तक्षक नाग उन्हें डंसेगा। इस शाप के बाद परीक्षित का मन अशांत हो गया, वे जीवन से जुड़े रहस्य जानने के लिए शुकदेव जी के पास पहुंचे ।शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को भागवत कथा सुनाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक दिन पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये राजा-महाराज खुद ही मौत के खिलौने हैं और ये सभी मुझे जीतने के लिए एक-दूसरे पर आक्रमण करते रहते हैं, लेकिन आज तक कोई भी मुझे यानी धरती को अपने साथ नहीं ले जा सका है। फिर भी ये लोग लड़ते-झगड़ते रहते हैं ।शुकदेव जी ने आगे कहा कि आज जो झगड़े हैं, वे सभी धन-संपत्ति के लिए ही हैं। लोग चाहते हैं कि उनके पास दूसरों से ज्यादा धन हो, सुख-सुविधाएं हों, बस इन्हीं इच्छाओं की वजह से सारी समस्याएं हैं। नहुष, भरत, शांतनु, रावण, हिरण्याक्ष, तारकासुर, कंस जैसे बड़े-बड़े शक्तिशाली राजा भी खाली हाथ ही गए हैं, इसलिए इन चीजों का मोह छोड़ देना चाहिए ।ये बातें सुनने के बाद परीक्षित ने पूछा कि जीवन में इतनी अशांति है तो शांति पाने के लिए हमें क्या करना चाहिए?शुकदेव जी ने उत्तर दिया कि मन अशांत है, विचार नकारात्मक हैं तो हमें भगवान का ध्यान करना चाहिए, मंत्र जप करना चाहिए। जब हम लंबे समय तक ध्यान के साथ जप करते हैं तो विचारों की नकारात्मकता दूर हो जाती है और मन शांत हो जाता है ।परीक्षित ने शुकदेव जी से सात दिनों तक भागवत कथा सुनी। कथा सुनने के बाद परीक्षित का मन शांत हो गया, जन्म-मृत्यु का डर खत्म हो गया, सांसारिक चीजों से उनका मोह भी खत्म हो गया था। सातवें दिन तक्षक नाग ने उन्हें डंस लिया था।

प्रसंग की सीख

इस प्रसंग की सीख ये है कि जो लोग रोज योग, मेडिटेशन करते हैं, मंत्र जप करते हैं, उनका मन शांत रहता है। इन अच्छी आदतों की वजह से नकारात्मक दूर होती है। हमारी सेहत अच्छी बनी रहती है।

इस शाप के बाद परीक्षित का मन अशांत हो गया, वे जीवन से जुड़े रहस्य जानने के लिए शुकदेव जी के पास पहुंचे ।शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को भागवत कथा सुनाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक दिन पृथ्वी ने भगवान से कहा था कि ये राजा-महाराज खुद ही मौत के खिलौने हैं और ये सभी मुझे जीतने के लिए एक-दूसरे पर आक्रमण करते रहते हैं, लेकिन आज तक कोई भी मुझे यानी धरती को अपने साथ नहीं ले जा सका है। फिर भी ये लोग लड़ते-झगड़ते रहते हैं ।शुकदेव जी ने आगे कहा कि आज जो झगड़े हैं, वे सभी धन-संपत्ति के लिए ही हैं।

विश्वकर्मा जयंती पर मशीनरी की पूजा करने की है परंपरा

देवताओं को शिल्पकार हैं विश्वकर्मा; उन्होंने बनाई थी सोने की लंका और द्वारका नगरी

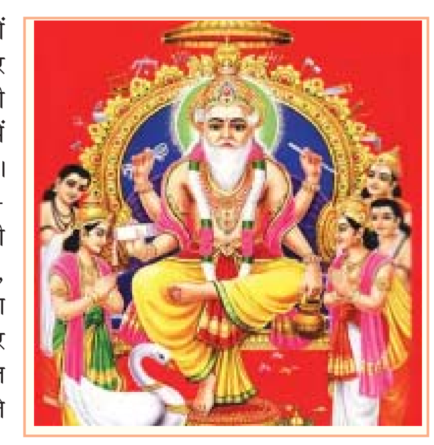

आज विश्वकर्मा जयंती मनाई जा रही है। इस दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की, अपने औजार और मशीनरी की विशेष पूजा की जाती है। वैसे विश्वकर्मा जयंती की तिथि के संबंध में मतभेद हैं। उत्तर भारत में फरवरी में और दक्षिण भारत में सितंबर में ये पर्व मनाया जाता है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, देवी-देवताओं से जुड़े सभी निर्माण कार्य भगवान विश्वकर्मा ही करते हैं। त्रेतायुग में विश्वकर्मा जी ने सोने की लंका बनाई, पुष्पक विमान, द्वापर युग में द्वारका नगरी का निर्माण किया था। इनके अलावा देवी-देवताओं के महल, रथ, हथियार भी विश्वकर्मा ही बनाते हैं। ये पर्व उन लोगों के लिए बहुत खास है जो निर्माण कार्यों से जुड़े हैं, जैसे मकान बनाने वाले कारीगर, फर्नीचर बनाने वाले, मशीनरी से जुड़े लोग, कारखानों से जुड़े लोग। इन सभी लोगों के लिए विश्वकर्मा जयंती एक बड़ा पर्व है।

सोने की लंका से जुड़ी मान्यताएं

विश्वकर्मा जी के खास कामों में से एक है सोने की लंका का निर्माण। लंका के संबंध में कई मान्यताएं प्रचलित हैं। एक मान्यता है कि असुर माल्यवान, सुमाली और माली ने विश्वकर्मा जी से असुरों के लिए एक विशाल भवन बनाने की प्रार्थना की थी ।इन तीन असुरों की प्रार्थना सुनकर विश्वकर्मा जी ने समुद्र किनारे पर त्रिकूट नाम के एक पर्वत पर सोने की लंका बना दी ।दूसरी मान्यता ये है कि सोने की लंका के राजा कुबेर देव थे। रावण कुबेर देव का सौतेला भाई था। जब रावण शक्तिशाली हुआ तो उसने अपने भाई कुबेर से सोने की लंका छिन ली थी। विश्वकर्मा जी ने कुबेर के लिए पुष्पक विमान भी बनाया था, इस विमान को भी रावण ने छिन लिया था।

श्रीकृष्ण के कहने पर बनाई थी द्वारक नगरी

द्वापर युग में जब श्रीकृष्ण ने कंस का वश कर दिया तो कंस का ससुर जरासंध श्रीकृष्ण को मारने के लिए मथुरा पर बार-बार आक्रमण करने लगा। श्रीकृष्ण और बलराम हर बार उसे पराजित कर देते थे, लेकिन जब जरासंध के हमले ज्यादा बढ़ने लगे तो श्रीकृष्ण ने मथुरा की रक्षा के मथुरा छोड़ने का निर्णय ले लिया। उस समय श्रीकृष्ण ने विश्वकर्मा जी से सुरक्षित जगह पर एक अलग नगरी बनाने के लिए कहा था। तब विश्वकर्मा जी ने द्वारका नगरी का निर्माण किया। इसके बाद श्रीकृष्ण-बलराम और यदुवंशी द्वारका नगरी में रहने चले गए थे।

मानवतावादी मूल्यों के संस्थापक संत रविदास

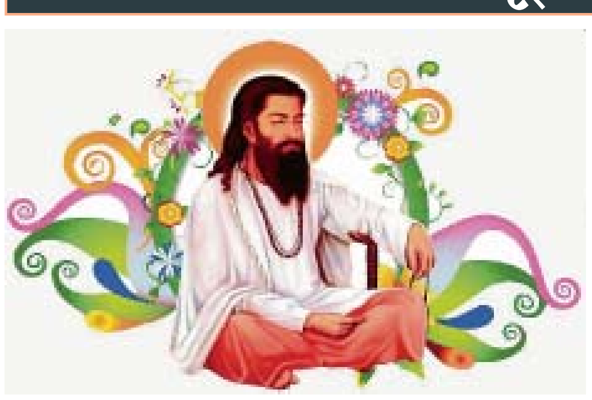

यह सौभाग्य ही है कि यहां एक से बढ़कर एक महान और दिव्य संतों एवं महात्माओं का अवतरण हुआ है। उनमें से एक प्रमुख संत गुरु रविदास जी का अवतरण मध्ययुगीन संक्रमण काल के दौरान धर्मनगरी काशी में हुआ था। हालांकि अन्य अनेक सिद्ध संतों की तरह ही उनके जन्म को लेकर भी कोई उपयुक्त एवं प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध नहीं है ।महान संत नाभादास द्वारा रचित 'भक्तमाल' में रविदास जी के स्वभाव और उनकी चारित्रिक दिव्यता का वर्णन मिलता है।

भारत सदा से ही संत-महात्माओं की कर्मभूमि रही है। यह सौभाग्य ही है कि यहां एक से बढ़कर एक महान और दिव्य संतों एवं महात्माओं का अवतरण हुआ है। उनमें से एक प्रमुख संत गुरु रविदास जी का अवतरण मध्ययुगीन संक्रमण काल के दौरान धर्मनगरी काशी में हुआ था। हालांकि अन्य अनेक सिद्ध संतों की तरह ही उनके जन्म को लेकर भी कोई उपयुक्त एवं प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध नहीं है।

महान संत नाभादास द्वारा रचित 'भक्तमाल' में रविदास जी के स्वभाव और उनकी चारित्रिक दिव्यता का वर्णन मिलता है। इसी प्रकार दिव्य संत प्रियादास कृत 'भक्तमाल' की टीका के अनुसार चित्तौड़ की 'झालारानी' जो महाराणा सांगा की पत्नी थीं, रविदास जी की शिष्या थीं। इस दृष्टि से देखा जाये तो रविदास जी का जीवनकाल सन्‌ 1482-1527 ई. यानी विक्रम संवत 1539-1584 के बीच ही था। मान्यता है कि चित्तौड़ की वह रानी मीराबाई थीं, जिन्होंने रविदास जी का शिष्यत्व ग्रहण किया था। मीराबाई ने स्वयं भी उनके प्रति अपने शिष्यत्व-भाव को व्यक्त किया है, 'गुरु रैदास मिले मोहि पूरे, धुरसे कलम भिड़ी, सतगुरु सैन दई जब आके जोत रली।' बहरहाल, रविदास जी के संबंध में इतना तो सभी मानते हैं कि वे रविवार को पड़ी किसी माघ महीने की पूर्णिमा तिथि को काशी की धरती पर अवतरित हुए थे। रविवार को जन्म लेने के कारण उनका नाम 'रविदास' रखा गया।

रविदास जी को कई नामों से जाना जाता है। पंजाब में वे 'रविदास', उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और राजस्थान में 'रैदास, गुजरात एवं महाराष्ट्र में 'रोहिदास' और बंगाल में 'रुइदास' के नाम से जाने गये। वहीं कई पुरानी पांडुलिपियों में उनका नाम रायादास, रेदास, रेमदास और रौदास भी अंकित हैं। रविदास जी का जन्म काशी के मांडुर नामक गांव के एक चर्मकार परिवार में हुआ था, जिसकी पुष्टि उन्होंने स्वयं भी की है। मांडुर गांव आज मंडुवाडीह नाम से जाना जाता है, जो उश्त्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में स्थित मंडेसर तालाब के किनारे बसा हुआ है। यहीं पर मांडव ऋषि का आश्रम भी अवस्थित है। रविदास जी के जन्म के समय देश के कुछ क्षेत्रों में मुगलों का शासन कायम हो चुका था।

संत के रूप में रविदास जी की स्वीकृति एवं ख्याति संपूर्ण भारत में फैल चुकी थी। समाज में मानवतावादी मूल्यों की पुनर्स्थापना करने वाले रविदास जी ने लिखा, 'रैदास जन्म के कारने होत न कोई नीच, नर कूं नीच कर डारि है, ओछे करम की नीच।' अर्थात् व्यक्ति जन्म से नहीं, बल्कि अपने कर्म से 'नीच' होता है। महान संत, देशभक्त, समाज सुधारक, आध्यात्मिक गुरु, भक्ति आंदोलन के महत्वपूर्ण कवि रविदास जी आजीवन जातीय, लैंगिक, धार्मिक-सामाजिक एवं सांप्रदायिक विद्रूपताओं के विरुद्ध अपने दोहों और पदों के माध्यम से लोगों में जागृति लाने का प्रयास करते रहे, ताकि समाज में मौजूद विभाजनकारी शक्तियों को अशक्त कर देश को एकसूत्र में पिरोया जा सके। उन्होंने अपनी कविताएं मूलतः ब्रजभाषा में लिखीं, किंतु उनमें अवधी, राजस्थानी, खड़ी बोली एवं रेख्ता यानी उर्दू-फारसी के शब्दों का भी उपयोग किया। उनके लगभग चालीस पद पवित्र धर्मग्रंथ 'गुरुग्रंथ साहिब' में भी संकलित किये गये हैं।

सांप्रदायिक सद्भाव एवं सामाजिक समरसता के आध्यात्मिक उपासक रविदास जी का संपूर्ण जीवन ही संघर्षों और चुनौतियों की महागाथा रहा है। उन्होंने जीवन और समाज के तमाम अंतर्विरोधों के समानांतर समाधानों की एक फुलवारी लगायी, जिसकी महक समाज में आज भी व्याप्त है और सांप्रदायिक सद्भाव तथा सामाजिक समरसता के उपासकों को रोमांचित करती है। रविदास जी के पिता का नाम रग्घु एवं माता का घुरविनिया था। वे वैष्णव भक्तिधारा के महान संत स्वामी रामानंद के शिष्य थे।

इस व्रत में पानी में तिल मिलाकर नहाने और तिल का दान करने की परंपरा

इससे अक्षय पुण्य मिलता है

इसे जया एकादशी कहा जाता है। इस तिथि पर भगवान विष्णु की विशेष पूजा की परंपरा है। माघ महीने में भगवान विष्णु के माधव रूप की पूजा की जाती है। वहीं, इस एकादशी पर उपेंद्र रूप में भगवान को पूजा जाता है। माघ मास होने से इस तिथि पर सूर्य देव की पूजा भी खासतौर से करनी चाहिए। इस दिन व्रत-पूजा से संतान की इच्छा रखने वाले लोगों की मनोकामना पूरी होती है।

पानी में तिल मिलाकर नहाने की परंपरा

माघ महीने में आने वाली एकादशी पर पानी में गंगाजल और तिल मिलाकर नहाने की परंपरा है। ऐसा करने से जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप और दोष खत्म हो जाते हैं। इस एकादशी पर तिल खाएं और इनका दान भी देना चाहिए। इस व्रत में भगवान विष्णु की पूजा के दौरान शंख से अभिषेक करने का विधान बताया गया है। साथ ही इसके बाद तुलसी पत्र चढ़ाना चाहिए। ऐसा करने से महापूजा का फल मिलता है।

माघ महीने में भगवान विष्णु और सूर्य पूजा का महत्व

पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि हिंदू कैलेंडर के माघ महीने के देवता भगवान विष्णु और सूर्य हैं। इस महीने में भगवान सूर्य के सहत्रांशु रूप की पूजा करनी चाहिए। इससे सेहत अच्छी रहती है और उम्र भी बढ़ती है। खगोलीय नजरिये से देखा जाए तो इस महीने में सूर्य की रोशनी धरती के उत्तरी गोलार्द्ध पर ज्यादा देर तक रहती है। इसलिए इन दिनों सूर्य पूजा का बहुत महत्व है।

माघ महीने में भगवान विष्णु के माधव रूप की पूजा का विधान ग्रंथों में बताया गया है। ये रूप इंसानों को अच्छे कर्म की सीख देता है। भगवान श्रीकृष्ण भी माधव रूप में पूजे जाते हैं। इसलिए माघ महीने में पड़ने वाली जया एकादशी का व्रत खास माना जाता है।

इस दिन क्या काम करें...

- इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर तीर्थ स्नान और उगते सूरज की पूजा करनी चाहिए।
- शालग्राम और तुलसी पूजा के साथ तुलसी के पौधे में जल चढ़ाना चाहिए।
- पीपल में भगवान विष्णु का निवास होता है। इसलिए सुबह जल्दी पीपल पूजा भी करें।
- केले के पेड़ की पूजा करें। ऐसा करने से भी भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं।
- जरुरतमंद लोगों को तिल, गुड़ और गर्म कपड़ों का दान करना चाहिए।

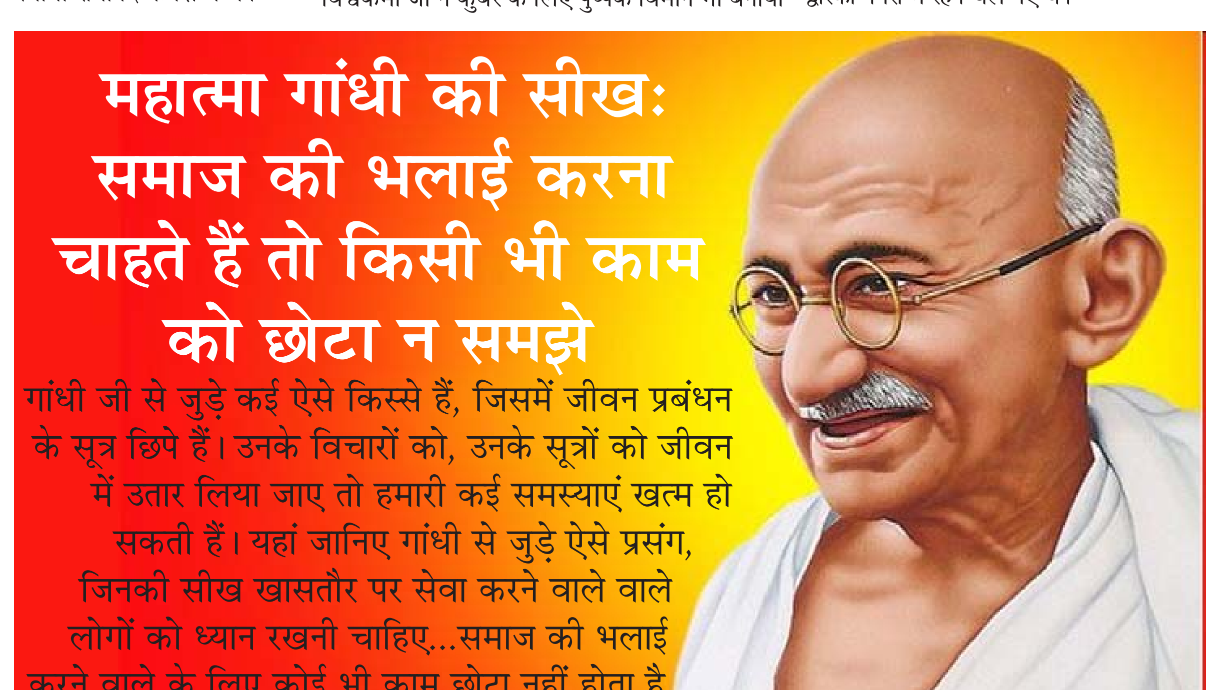

एक दिन महात्मा गांधी के पास एक लड़का आया और बोला कि गांधी जी मैं भी देश की सेवा करना चाहता हूं।

इसलिए मुझे भी आपके साथ काम करने का मौका दीजिए। गांधी जी ने उस लड़के को देखा और बोले कि ठीक है। मैं अभी चरखा चला रहा हूं तो तुम ये सूत इकट्ठा कर दो।

लड़के ने गांधी जी के द्वारा बताया गया काम कर दिया। इसके बाद गांधी जी ने कहा कि कुछ बर्तन रखे हुए हैं, उन्हें साफ कर दो। उस लड़के ने ये काम भी कर दिया। इसके बाद गांधी जी ने उसे आश्रम में सफाई करने का काम दे दिया।

इस गांधी जी उस लड़के से छोटे-छोटे काम कराने लगे। कुछ दिन बीत गए। उस लड़के को ये सारे काम अच्छे नहीं लग रहे थे। एक दिन लड़के ने गांधी जी से कहा कि मैं अब यहां नहीं रुक सकता। मैं जा रहा हूं।

गांधी जी ने उससे पूछा कि लेकिन क्यों जा रहे हो?

लड़के ने जवाब दिया कि मैं पढ़ा-लिखा लड़का हूं, अच्छे परिवार से हूं। आप जो काम मुझसे करवा रहे हैं, ये काम मेरे लिए सही नहीं है। गांधी जी ने उस लड़के की बात शांति से सुनी और उसे समझाते हुए कहा कि मैं तो तुम्हारी परीक्षा ले रहा था। जो लोग देश सेवा करना चाहते हैं, उनके लिए सभी काम एक समान होते हैं। सेवा करने वाले के लिए कोई भी काम छोटे-बड़े नहीं होते हैं। सेवा भावी सिर्फ सेवा करता है।

अपने नुकसान के बाद भी दूसरों की भलाई के लिए काम करें

गांधी जी यात्राएं करते रहते थे। एक बार वे रेल से यात्रा कर रहे थे। एक स्टेशन पर गाड़ी रुकी तो गांधी जी कुछ देर के लिए नीचे उतरे। गांधी जी को देखकर लोगों की भीड़ लग गई। गांधी जी भीड़ से घिरे हुए थे और उनकी रेलगाड़ी चलने लगी।

भीड़ से बाहर निकलते हुए गांधी जी तेजी से अपने डिब्बे में चढ़ गए, लेकिन उनकी एक चप्पल नीचे गिर गई और रेल के नीचे पटरियों के बीच चली गई।

रेल चल रही थी, गांधी जी डिब्बे के गेट पर खड़े होकर विचार करने लगे और फिर उन्होंने अपनी दूसरी चप्पल भी वहीं गिरा दी।

ये घटना देख रहे व्यक्ति ने गांधी जी से पूछा कि आपने दूसरी चप्पल भी क्यों गिरा दी?

गांधी जी ने कहा कि मेरी एक चप्पल तो गिर चुकी है और मेरे पास एक चप्पल रह गई तो मैंने सोचा कि अब ये एक चप्पल मेरे किसी काम नहीं है। इसलिए मैंने दूसरी चप्पल भी यहीं गिरा दी, ताकि किसी व्यक्ति को ये दोनों चप्पलें मिलेंगी तो उसके काम आ जाएंगी।

इस किस्से में गांधी जी ने संदेश दिया है कि अगर हमारा नुकसान हो जाए और हम उसके बाद भी किसी भला कर सकते हैं तो इस काम में पीछे नहीं हटना चाहिए।

सुनील गावस्कर ने की बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन से मुलाकात, बताया अपना नया हीरो

नयी दिल्ली। लक्ष्य सेन को अपनी आंखों पर विश्वास ही नहीं हुआ जब महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर उनसे और युवा खिलाड़ियों से मिलने बेंगलुरू में प्रकाश पादुकोण बैडमिंटन अकादमी (पीपीबीए) में पहुंच गये। भारत की 1983 विश्व कप विजेता क्रिकेट टीम के सदस्य 73 वर्षीय गावस्कर गुरूवार को शहर के अपने नियमित दौरे के दौरान अकादमी पहुंचे। पीपीबीए के सह संस्थापक, निदेशक और मुख्य कोच विमल कुमार ने कहा कि उनकी बेंगलुरू में एक बैठक थी और उन्होंने अकादमी के युवा उभरते हुए बच्चों से मिलने का फैसला किया। बैडमिंटन और क्रिकेट उनके दो पसंदीदा खेल हैं। वह हमारे साथ यहां करीब एक घंटे तक रहे।

गावस्कर ने बाद में लक्ष्य सेन के साथ इंस्टाग्राम पर अपनी फोटो पोस्ट की और इसका शीर्षक था कि प्रकाश पादुकोण के बाद मेरे नये बैडमिंटन हीरो लक्ष्य सेन। महान क्रिकेटर गावस्कर ने क्रिकेट कमेंट्री के दौरान कई बार पादुकोण की प्रशंसा की है और वह उन्हें भारत के महान खिलाड़ियों से एक मानते हैं। सेन 2022 में भारत के सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे। उन्होंन कहा कि वह भी उन्हें देखकर हैरान हो गये थे। सेन ने कहा, ''इतने बड़े खिलाड़ी से इस तरह की चीजें सुनकर काफी अच्छा महसूस होता है। ईमानदारी से कहूं तो मैं भी काफी हैरान हो गया था।

भारत की निगाह डेविस कप प्लेऑफ मुकाबले में रूने की चुनौती से निपटने पर

भारतीय डेविस कप टीम के लिये विश्व ग्रुप एक में अपना स्थान बचाना चुनौतीपूर्ण होगा जब उसका सामना शुक्रवार से डेविस कप प्लेऑफ मुकाबले में होल्गर रूने की अगुआई वाली डेनमार्क से होगा। भारतीय टीम में एक भी खिलाड़ी ऐसा नहीं है जो शीर्ष 300 में शामिल हो जबकि दुनिया के नौवें नंबर के खिलाड़ी रूने की मौजूदगी विश्व ग्रुप एक में मेजबान टीम को बरकरार रखने के लिये दावेदार बनायेगी। भारत ने मार्च 2022 में दिल्ली में डेनमार्क को 4-0 से हराया था लेकिन 19 साल के रूने के होने से टीम की स्थिति अब काफी अलग होगी जो पिछले महीने आस्ट्रेलियाई ओपन के चौथे दौर में पहुंचे थे और उन्होंने 2022 में तीन एटीपी खिताब जीते थे।भारत को रूने से निपटने के लिये बेहतरीन रणनीति तैयार करनी होगी और डेनमार्क में निचली रैंकिंग के खिलाड़ियों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन दिखाना होगा जिसमें ऑगस्ट होल्मग्रेन (484 रैंकिंग) और एल्मर मोलर (718 रैंकिंग) शामिल हैं। टीम ने युकी भांबरी को पहले दिन उतारने का फैसला किया है जो देश के दूसरी सबसे ऊंची रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं ताकि सुमित नागल नंबर एक खिलाड़ी के तौर पर उतर सकें। होल्मग्रेन की रैंकिंग भले ही कम हो लेकिन उन्हें हराना आसान नहीं होगा। युगल मैच काफी अहमियत रखता है और रोहन बोपन्ना को अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए टीम की अगुआई करनी होगी।

वर्ष 2019 में नये प्रारूप को शुरू किया गया था और भारतीय टीम विश्व ग्रुप एक में बरकरार रहने में सफल रही लेकिन टीम को अपना स्थान कायम रखने के लिये पुरजोर मशक्कत करनी होगी। टीम में तीन एकल खिलाड़ी - प्रजनेश गुणेश्वरन (306), रामकुमार रामनाथन (412) और सुमित नागल (509) - हैं जबकि शशि कुमार मुकुंद को शामिल नहीं किया गया। लेकिन यह हैरानी की बात नहीं है कि कप्तान रोहित राजपाल ने भांबरी को खिलाने का फैसला किया है। वह एटीपी टूर पर एकल प्रारूप छोड़ चुके हैं लेकिन इंडोर कोर्ट (जहां बाहरी कारक जैसे हवा का असर नहीं होता) में इतने अच्छे खिलाड़ी हैं कि उनकी अनदेखी करना मुश्किल है।युकी रूने के खिलाफ मैच शुरू करेंगे जबकि नागल का सामना होल्मग्रेन से होगा। इंडोर कोर्ट नया बना है जो थोड़ा धीमा है जिस पर कमर की ऊंचाई जितना उछाल है। कप्तान राजपाल और कोच जीशान अली के अनुसार नागल भारतीय टीम में सबसे तेज तर्रार दिख रहे हैं। नागल पुणे में भी अच्छी फॉर्म में दिखे जहां वह चुनौती देने के बाद हारे। कप्तान राजपाल ने कहा, ''कमर की ऊंचाई का उछाल ग्रास कोर्ट की तरह हमारे लिये मददगार नहीं होगा। यह जितना कम हो, उतना हमारे लिये बेहतर है। यह उनके ज्यादा मुफीद है इसलिये उन्होंने इस तरह का कोर्ट बनाया है।'' टीम प्रबंधन ने स्वीकार किया कि टीम मुकाबले से पहले दबाव महसूस कर रही है क्योंकि टीम में एक भी खिलाड़ी शीर्ष 300 में शामिल नहीं है। दूसरे दिन बोपन्ना और युकी का सामना जोहोनेस इंजिल्डसेन और क्रिस्टियन सिग्सगार्ड से होगा। हालांकि मेजबान अगर चाहे तो दूसरे दिन भी रूने को उतार सकती है।

संक्षिप्त समाचार ....

सीरि ए: युवेंटस का सामना सेमीफाइनल में इंटर से

तूरिन। पहले हाफ में ब्रेमर के गोल की मदद से युवेंटस ने लाजियो को 1.0 से हराकर सीरि ए फुटबॉल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उसका सामना इंटर मिलान से होगा। इससे पहले मैच में युवेंटस को मोंजा ने 2.0 से हराया था। वहीं उसने अटलांटा से ड्रॉ खेला था और नपोली से 1. 5 से हार गया था। अब उसने दस ही अंक है लेकिन वह रेलिगेशन जोन (निचले दर्जे में खिसकना) से ऊपर है। दूसरे सेमीफाइनल में फियोरेंटिना का सामना क्रेमोनीस से होगा। दोनों सेमीफाइनल अप्रैल में खेले जायेंगे।

मध्य प्रदेश ने किया शानदार प्रदर्शन,वॉटर स्पोर्ट्स के डेब्यू में जीते गोल्ड मेडल

मध्यप्रदेश में इन दिनों खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के दौरान ही कई टीमों ने अलग अलग खेलों में शानदार खेल दिखाते हुए गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाना शुरू कर दिया है। कयाकिंग और कैनोइंग में मध्यप्रदेश ने सभी चार स्वर्ण पदक जीतकर धूम मचा दी।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2022 के तीसरे दिन ऐतिहासिक दिन पर मेजबानों ने अपनी राजधानी शहर के खूबसूरत अपर लेक क्षेत्र में कयाकिंग और कैनोइंग में सभी चार स्वर्ण पदक जीतकर धूम मचा दी। च-2 1000 मीटर लड़कों की स्प्रिंट जोड़ी नितिन वर्मा और रिमसन मैरेम्बम ने सबसे पहले लाइन पार की। नितिन और रिमसन इसी के साथ खेलो इंडिया यूथ गेम्स के चौथे संस्करण के पहले स्वर्ण पदक विजेता भी बन गए है।

इसके अलावा महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के राज्यों ने भी खेलो इंडिया यूथ गेम्स में गोल्ड मेडल हासिल किए है। टेबल टेनिस में दोनों राज्यों ने स्वर्ण पदक जीतने में सफलता हासिल की है। हालांकि ये दिन पूरा मध्य प्रदेश के ही नाम पर था। मध्य प्रदेश ने अपनी अद्भुत वॉटर स्पोर्ट्स में प्राकृतिक कौशल का प्रदर्शन किया। इन खेलों में मध्य प्रदेश ने चार स्वर्ण जीते। आधिकारिक बयान के मुताबिक ओडिशा और तेलंगाना पानी में अन्य शीर्ष प्रदर्शनकर्ता थे, जिन्होंने कुल छह रजत और कांस्य पदक जीते।

इंदौर के अभय प्रशाल में हो रहे टेबल टेनिस प्रतियोगिता में भी लड़कों और लड़कियों के युगल मुकाबलों में दो स्वर्ण पदक महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की टीम को मिले है। महाराष्ट्र ने लड़कियों की श्रेणी में और उत्तर प्रदेश ने लड़कों की श्रेणी में स्वर्ण पदक हासिल किया है।

लड़कियों के युगल फाइनल में पृथा वर्तिकर और जेनिफर वर्गीज ने रिशा मीरचंदानी और तनीश कोटेचा को 3-0 (13-11, 11-9, 11-7) से मात दी। बॉयज डबल्स का फाइनल चार गेम तक चला लेकिन उत्तर प्रदेश के दिव्यांश श्रीवास्तव और सार्थ मिश्रा ने पश्चिम बंगाल के सुजल बनिक और बोधिसत्व चौधरी को 3-1 (8-11, 11-8, 11-6, 11-8) से हराया। वहीं कांस्य रदक लड़कियों की श्रेणी में कर्नाटक और लड़कों की श्रेणी में महाराष्ट्र के पास गया। गौरतलब है कि मेजबान राज्य मध्य प्रदेश के पांच शहरों और 11 स्थानों पर एक दर्जन खेल खेले गए। भोपाल के इंडोर हॉल में वॉलीबॉल सेमीफाइनल खेले जाने की तैयारी है। इसके अलावा, ग्वालियर में एमपी बैडमिंटन अकादमी में लड़कों और लड़कियों का एकल के लिए सेमी-फाइनल होना है। जबलपुर में आर्चरी की प्रतियोगिता शुरु हुई है। वहीं जिम्नास्ट और योग की प्रतियोगिताएं उज्जैन में शुरू हो गई है। इंदौर में लड़कों और बालाघाट में लड़कियों के लिए फुटबॉल के गेम की प्रतियोगिता भी शुरू हुई है। भोपाल के बाहरी इलाके में एमपी अकादमी शूटिंग रेंज में भी शूटिंग की शुरुआत की गई है। जबलपुर के रानीताल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खोखो का आयोजन हो रहा है। जल्द ही दिल्ली में साइकलिंग और मंडला में पारंपरिक मार्शल आर्ट्स गटका की शुरुआत होगी।

रूसके हिस्सा लेने पर ओलंपिक के बहिष्कार पर विचार कर रहा लातविया

रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद लातविया अगले साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में रूस और उसके साझेदार बेलारूस के खिलाड़ियों खेलने की स्वीकृति देने की स्थिति में इन खेलों के बहिष्कार पर विचार कर रहा है। लातविया सहित यूरोप की विभिन्न सरकारों ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को स्वीकृति देने के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के प्रयास की निंदा की है और यूक्रेन ने खेलों के बहिकार की धमकी दी है। राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों ने हालांकि अपनी टीम भेजने को लेकर चुप्पी साध रखी है।

लातविया ओलंपिक समिति के अध्यक्ष जोर्जस टिकमर्स ने सोमवार को लातविया के सार्वजिक टेलीविजन पर कहा, ''अगर अभी ओलंपिक खेल होते हैं और रूस तथा बेलारूस के खिलाड़ियों को ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने की स्वीकृति दी जाती है तो लातविया की टीम इस प्रतियोगिता में नहीं जाएगी।'' आईओसी ने हालांकि इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। टिकमर्स स्वयं 1980 में मॉस्को ओलंपिक में सोवियत संघ की ओर से रोइंग में रजत पदक विजेता रहे हैं।

अफगानिस्तान पर सोवियत सैनिकों के हमले के विरोध में अमेरिका सहित कई देशों ने इन खेलों का बहिष्कार किया था। रूस के साथ सीमा साझा करने वाले लातविया को 1991 में सोवियत संघ से आजादी मिली और वह यूक्रेन का समर्थक है। लातविया की टीम पुरुष 'थ्री ऑन थ्री' बास्केटबॉल में गत ओलंपिक चैंपियन है। टीम ने तोक्यो 2021 खेलों में स्वर्ण पदक के मुकाबले में रूस की टीम को हराया था।

अगले फीफा विश्व कप में खेलेंगे मेसी या नहीं, खुद स्टार खिलाड़ी ने दी जानकारी

फीफा विश्व कप 2022 में अर्जेंटीना की टीम को विश्व कप खिताब जीताने में कप्तान लियोनेल मेसी का खास योगदान था। इस टूर्नामेंट में पहली बार विश्व कप खिताब जीतना लियोनेल मेसी का सपना था, जो उन्होंने पूरा किया। इस सपने को पूरा करने के बाद ये जानकारी आई थी कि फीफा विश्व कप 2022 लियोनेल मेसी का अंतिम विश्व कप हो सकता है।

इसके बाद से चर्चा थी की मेसी रिटायरमेंट ले सकते हैं। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान भी मेसी ने कहा है कि वर्ष 2026 के विश्व कप के लिए वो आने वाले समय में सोचेंगे।

बता दें कि पिछले साल फीफा विश्व कप जीतने के अपने सपने को पूरा करने के बाद, लियोनेल मेसी ने कहा था कि यह आखिरी बार था जब उन्होंने विश्व कप में अर्जेंटीना की जर्सी पहनी थी। मगर अब खुद लियोनेल मेसी ने इस बयान के उलट नया बयान दिया है, जिसे बाद चर्चा है कि वो विश्व कप 2026 में हिस्सा ले सकते है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि वह विश्व कप 2026 संस्करण पर फैसला लेने से पहले इंतजार करेंगे और देखेंगे। उन्होंने कहा कि उम्र के कारण वर्ष 2026 में होने वाले विश्व कप को लेकर अभी कुछ कहना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि मुझे फुटबॉल खेलना पसंद है और जब मुझे लगता है कि मैं अच्छी स्थिति में हूँ और इसका आनंद ले रहा हूँ, तो मैं इसे जारी रखूँगा। अगला विश्व कप आने में अभी लंबा समय शेष है। उसके लिए देखना होगा की उस समय मेरा करियर कैसा चल रहा है।बता दें कि लियोनेल मेस्सी ने अब तक कुल पांच बार विश्व कप में खेला है। उन्होंने वर्ष 2022 के विश्व कप में सात गोल किए थे। वहीं विश्व कप में जर्मनी के मिरोस्लाव क्लोज ने विश्व रिकॉर्ड बनाते हुए कुल 16 गोल किए है जबकि मेसी 13 गोल कर चुके है।

अर्जेंटीना के कोच का आया बयान

अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने पिछले महीने एक कार्यक्रम के दौरान बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि मुझे लगता है कि लियोनेल मेसी अगले विश्व कप में खेलने के लिए जगह बना सकते है। उन्होंने इसके साथ ही ये कहा था कि मेसी खुद क्या चाहते हैं और समय के साथ क्या क्या होता है इन सभी बातों पर अगले विश्व कप में उनके खेलने को लेकर फैसला होगा। ये फैसला खुद मेसी का ही होगा। अगर वो अच्छा महसूस करते हैं तो उनके लिए टीम के दरवाजे हमेशा खुले रहेंगे। मैदान में खेलते हुए अगर मेसी खुश हैं तो हमारे और टीम के लिए ये काफी अच्छा होगा। बता दें कि वर्ष 2026 में फीफा विश्व कप की मेजबानी संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी।

देश के शीर्ष धावक नयी दिल्ली मैराथन से एशियन गेम्स का टिकट पक्का करना चाहेंगे

ज्योति ने पिछले साल तीन घंटे एक मिनट और 20 सेकेंड के समय के साथ खिताब अपने नाम किया था। वह अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और फिट इंडिया रेस के तत्वाधान में होने वाला यह आयोजन जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर यही पर खत्म होगा।

श्रीनू बुगाथा, ए बेलियप्पा और ज्योति सिंह गवाटे सहित भारत के शीर्ष धावक इस साल के अंत में चीन में होने वाले एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने के लक्ष्य के साथ 26 फरवरी को यहां नयी दिल्ली मैराथन में भाग लेंगे। ज्योति ने पिछले साल तीन घंटे एक मिनट और 20 सेकेंड के समय के साथ खिताब अपने नाम किया था। वह अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगी। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) और फिट इंडिया रेस के तत्वाधान में होने वाला यह आयोजन जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम से शुरू होकर यही पर खत्म होगा।

यह दौड़ हुमायूं का मकबरा, लोधी गार्डन और खान मार्केट जैसे शहर में स्थित प्रमुख स्थलों के पास से गुजरेगी। एएफआई ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि नयी दिल्ली मैराथन एशियाई खेलों की क्वालीफाइंग प्रतियोगिता सीरीज का हिस्सा होगी। राष्ट्रीय महासंघ ने कहा, ''इस राष्ट्रीय मैराथन में एथलीटों के प्रदर्शन पर चीन में होने वाले एशियाई खेलों में चयन/भागीदारी के लिए विचार किया जाएगा, बशर्ते कि वे एएफआई द्वारा निर्धारित योग्यता मानकों को हासिल करें।''

उन्होंने कहा, ''एशियाई खेलों की मैराथन स्पर्धा के लिए चुने जाने के लिए पुरुषों के लिए दो घंटे 15 मिनट और महिलाओं के लिए दो घंटे 37 मिनट का क्वालीफाई समय रखा गया है।'' नयी दिल्ली मैराथन की एलीट रेस में हर कोई हिस्सा नहीं ले सकता। पुरुषों में दो घंटे 40 मिनट और महिलाओं में तीन घंटे 10 मिनट तक का समय निकालने वाले धावक ही इसमें भाग ले सकेंगे। इस 'कट' में जगह नहीं बनाने वाले धावक अपोलो टायर नयी दिल्ली मैराथन के ओपन वर्ग में भाग लेंगे। धावक मैराथन, हाफ मैराथन, 10 किलोमीटर और पांच किलोमीटर की चार श्रेणियों में भाग लेंगे।

चोले ट्रायोन का नाबाद अर्धशतक, दक्षिण अफ्रीका ने जीती महिला त्रिकोणीय श्रृंखला

दक्षिण अफ्रीका ने चोले ट्रायोन की नाबाद 57 रन की अर्धशतकीय पारी के दम पर गुरूवार को यहां फाइनल में भारत को दो ओवर शेष रहते हुए पांच विकेट से हराकर महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय श्रृंखला जीत ली। भारतीय महिला टीम को धीमी पिच पर बल्लेबाजी करने में काफी मुश्किल हुई जिससे वह टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट गंवाकर महज 109 रन ही बना सकी। हरलीन देओल काफी धीमा खेलीं।

उन्होंने 56 गेंद में 46 रन बनाये। दक्षिण अफ्रीका ने चोले ट्रायोन ने 32 गेंद की पारी की बदौलत 18 ओवर में पांच विकेट पर 113 रन बनाकर जीत दर्ज की। चोले ट्रायोन ने अपनी पारी के दौरान छह चौके और दो छक्के जड़े जिसमें विजयी छक्का भी शामिल है। भारतीय

गेंदबाजों ने हालांकि अच्छी शुरूआत की 15 रन के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका की दो खिलाड़ियों को आउट कर दिया था। लेकिन चोले ट्रायोन और नादिन डि क्लार्क (नाबाद 17 रन) के बीच छठे विकेट के लिये 47 रन की अटूट साझेदारी ने उन्हें 12 गेंद रहते ट्राफी दिला दी। स्नेह राणा ने अपने चार ओवर में 21 रन देकर दो विकेट झटके जबकि दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह और राजेश्वरी गायकवाड़ ने एक एक विकेट हासिल किया।

इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। उसने सबसे पहले स्टाइलिश बल्लेबाज स्मृति मंधाना का विकेट गंवाया जो खाता भी नहीं खोल सकीं। कप्तान हरमनप्रीत कौर (21 रन) कुछ देर बल्लेबाजी करने के बाद लय में आती दिख रही थीं लेकिन वह भी 'डग-आउट' में पहुंच गयीं। हरलीन ने काफी 'डॉट' गेंद खेलीं जिससे दीप्ति शर्मा (14 गेंद में नाबाद 16 रन) दबाव बढ़ गया था और वह भी ज्यादा शॉट नहीं लगा सकीं। इससे कहीं ज्यादा भारत ने तेज गेंदबाजों पर हावी होने के लिये कोई कोशिश नहीं दिखायी और हरलीन बस क्रीज पर डटे रहने के लिये खेलती रहीं और उन्होंने अंतिम ओवर में अपना विकेट गंवाया। दक्षिण अफ्रीका के लिये बायें हाथ की स्पिनर नानकुलुलेको मलाबा ने चार ओवर में 16 रन देकर दो विकेट चटकाये और पावरप्ले में शानदार प्रदर्शन किया। मंधाना सात गेंद खेलने के बाद भी अपना खाता नहीं खोल सकीं और मलाबा की गेंद पर बोल्ड हुईं।

एक अन्य सलामी बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स (18 गेंद में 11 रन) और हरलीन को मलाबा और अनुभवी तेज गेंदबाज शबनीम इस्माइल (तीन ओवर में नौ रन देकर कोई विकेट नहीं) को खेलने में काफी दिक्कत हुई। दक्षिण अफ्रीका की इन दोनों गेंदबाजों ने मिलकर 25 डॉट गेंद डाली जिससे भारत पावरप्ले के छह ओवरों में केवल 19 रन ही जोड़ सका। मलाबा के अलावा अयाबोंगा खाका और सुने लुस ने एक एक विकेट लिया। भारतीय टीम ने कुल 57 'डॉट' खेलीं जो 9.3 ओवर हैं जिसमें से ज्यादातर हरलीन ने खेलीं। टीम ने पारी के दौरान सिर्फ नौ चौके लगाये।

'पद्म श्री' सम्मान से मेरे पूरे काम को मान्यता मिली: रवीना टंडन

अभिनेत्री रवीना टंडन का कहना है कि उन्हें इस बात की खुशी है कि देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'पद्म श्री के माध्यम से मुख्यधारा और स्वतंत्र सिनेमा दोनों में उनके काम को मान्यता मिली है। अभिनेत्री का नाम पद्म पुरस्कार से सम्मानित उन लोगों में शामिल है जिनकी घोषणा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की गई। उन्होंने कहा कि 2023 की शुरुआत अच्छी हुई है। रवीना ने कहा, 'यह साल पुरस्कारों का रहा है।' केजीएफ 2 और 'अरण्यक से इसकी शुरुआत हुई। लेकिन यह (पद्म श्री) इन सबमें सर्वश्रेष्ठ है क्योंकि यह मेरे पूरे काम को समाहित करता है। यह व्यावसायिक सफलताओं, गीतों, सब कुछ को समाहित करता है जिन्हें लोग आज भी याद करते हैं। रवीना 1990 के दशक की चर्चित अभिनेत्री थीं और उन्होंने 'मोहरा, 'दिलवाले और 'दूल्हे राजा जैसी हिट फिल्में दीं। वहीं उन्होंने 'दमन, 'सत्ता और 'शूल जैसी गैर व्यावसायिक फिल्में भी की। अभिनेत्री ने नेटफ्लिक्स की सीरीज 'अरण्यक से 'स्ट्रीमिंग मंच पर सफल पारी की शुरुआत की है। अभिनेत्री ने कहा, 'यह सोचकर अच्छा लगता है कि ऐसे लोग हैं जो हमारे काम को देखते हैं और उसे पसंद करते हैं। इस यात्रा में जो लोग मेरे साथ रहे हैं और जिन्होंने मेरा समर्थन किया है, उनका मैं शुक्रिया अदा करना चाहती हूं। मुख्यधारा की फिल्मों में आम तौर पर पुरूषों का वर्चस्व रहता है, लेकिन रवीना खुद को ''भाग्यशाली मानती हैं कि उन्हें' सत्ता, 'शूल और 'दमन जैसी फिल्मों में काम करने का मौका मिला। इसके लिए उन्होंने सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीता था।

हमें बताए बिना लता मंगेशकर रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गईं : गुलजार

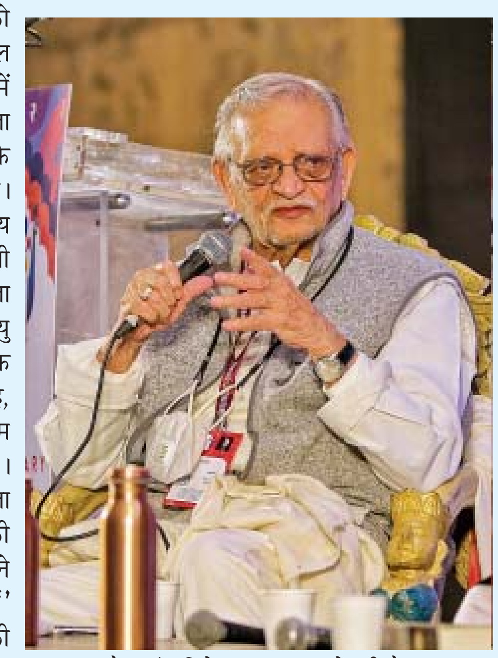

वयोवृद्ध कवि-गीतकार गुलजार ने शनिवार को कहा कि लता मंगेशकर का गायन संसार इतना विशाल और विस्तृत है कि वह कब हम सबके जीवन में रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन गईं, हमें पता ही नहीं चला। उन्होंने कहा कि जीवन के हर क्षण के लिए लता का गाया हुआ एक न एक गीत मौजूद है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब एक आम भारतीय उस गाने को सुने बिना अपने दिन के बारे में सोच भी नहीं सकता था जिसे मंगेशकर ने नहीं गाया था। लता मंगेशकर का 6 फरवरी, 2022 को 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। गुलजार ने कहा, 'हर गायक की आवाज, शैली, तकनीक और उच्चारण अलग है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे किसी से कम हैं। आशा (भोसले) जी हैं, गीता (दत्त) जी भी थीं। लता जी ने उनकी आवाज से ज्यादा, उसकी गुणवत्ता के कारण पहचान पायी। वह हमारी रोजमर्रा की संस्कृति और सभ्यता का हिस्सा बन गई।' उन्होंने कहा, 'सुबह उठते ही सबसे पहले आपको 'भजनों' में उनकी आवाज़ सुनाई देती थी। अगर कोई शादी की रस्म या होली और रक्षा बंधन जैसे त्यौहार थे, तो लता जी का गाना था। वह हमें बताए बिना हमारी रोजमर्रा की जिंदगी हिस्सा बन गईं। यह एक बड़ी उपलब्धि है] जो इस नाम और आवाज से जुड़ी है। ऐसा किसी भी गायक के साथ नहीं हुआ है।' गुलजार यहां जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल में 'लता- सुर गाथा' के लेखक यतींद्र मिश्रा और गायक की जीवनी के प्रकाशक वाणी प्रकाशन के प्रबंध निदेशक अरुण माहेश्वरी के साथ एक सत्र में हिस्सा ले रहे थे। पेंग्विन रैंडम हाउस द्वारा प्रकाशित और ईरा पांडे द्वारा अनुवादित पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद, 'लता ए लाइफ इन म्यूजिक' शुक्रवार को जारी किया गया। गुलज़ार ने फिल्म उद्योग में वीज़ा दिलाने का श्रेय लता मंगेशकर को दिया, जिन्होंने पहली बार उनके लिखे गीत 'मोरा गोरा अंग लेइले' को 1963 की बंदिनी में गाया।

पंजाबी फिल्मों ने दी हुनर को रवानगी

मोहम्मद रफ़ी ने अपने मधुर स्वर से विभिन्न शैली के हजारों गीतों में नवरस घोले। शुरुआत पंजाबी फिल्मों के संगीत से की लेकिन हिंदी सिनेमा को भी शिद्दत से सुर-समृद्ध किया। पंजाबी गीतों में उनकी आवाज का जादू चला तो बॉलीवुड के पार्श्वगायन में भी बुलंदियों को छुआ। रफी की आवाज़ में कलाकार के अभिनय की अनुकूलता थी वहीं उन्होंने गायन की नयी शैली प्रस्तुत कर फिल्म संगीत को समृद्ध किया।

साल में दो बार विश्वभर से मोहम्मद रफ़ी के अनेक प्रशंसक उनकी जन्मस्थली गांव कोटला सुल्तान सिंह (अमृतसर) में एकत्रित होते हैं। मौका उनकी जयंती और पुण्यतिथि का होता है। रफ़ी की वाणी में मानो सरस्वती का वास था। सहस्राब्दी के गायक मोहम्मद रफ़ी ने अपने समृद्ध एवं मधुर स्वर में विभिन्न शैली के हजारों गीतों में नवरसों का सुमेल किया। रोमांटिक गीतों, ग़ज़लों में उनका कोई सानी नहीं था।

संगीत-देवदूत मोहम्मद रफी का जन्म 24 दिसंबर, 1924 को हाजी अली मोहम्मद के घर हुआ था। बचपन में फीकू (रफी), एक फकीर की मधुर तान माए नी खेडन दे दिन चार से बहुत सम्मोहित हुए। परिवार को रफ़ी की संगीत के प्रति अनुरक्ति रास नहीं आई। उसे नौ वर्ष की अल्पायु में पारिवारिक हेयर सैलून में काम करने लाहौर भेज दिया। वहां उनकी गायन-प्रतिभा को रेडियो लाहौर के संगीतज्ञ पंडित जीवनलाल मट्टू ने पहचाना और अपना शागिर्द बना लिया। उन्होंने अब्दुल वहीद खान और छोटे गुलाम अली खान से भी संगीत की बारीकियां सीखीं।

इसके उपरांत उन्हें अखिल भारतीय प्रदर्शनी, लाहौर के मंच पर प्रसिद्ध गायक कुन्दनलाल सहगल की उपस्थिति में गाने का अवसर मिला। वहीं रफी को फिल्मों में लाने का श्रेय संगीत निर्देशक श्याम सुंदर को जाता है, जिन्होंने सर्वप्रथम पंजाबी फिल्म 'गुल बलोच' (1945) में ज़ीनत बेगम और मोहम्मद रफ़ी की आवाज़ में परदेसी... सोहनेया, ओए हीरिए ओए' गीत रिकॉर्ड किया था। इस फिल्म के दो और गीतों आ चन्न वे एवं सुन सुन निक्की जेही गल्ल को भी रफ़ी ने गाया था। फिल्म के गीत-संगीत ने पंजाब भर में धूम मचाई और रफी लोकप्रिय गायक बन गए।

कामयाबी के पीछे का परिश्रम

फिल्म 'पहले आप' (1944) के गीत को मार्चिंग प्रभाव देने के लिए भारी सैन्य-जूतों से लयबद्ध ध्वनि उत्पन्न करते हुए रफी के पांव खून से लथपथ हो गए, लेकिन उनका चेहरा खुशी से चमक रहा था। उन्होंने 'अनमोल घड़ी' (1946), 'शाहजहां' (1946) आदि हिट फिल्मों में मधुर गीत गाये, परन्तु युगल गीत यहां बदला वफ़ा का (जुगनू-1947) ने उन्हें लोकप्रियता नयी ऊंचाइयां प्रदान की। उनका कठोर परिश्रम और सच्ची लगन रंग लाई और उन्हें पार्श्व-गायन के साथ अभिनय करने के अवसर भी मिलने लगे। रफ़ी ने वो अपनी याद दिलाने को गाने पर कैमियो परफॉर्मेंस दी थी। वह लैला मजनूं (1945), शाहजहां (1946), समाज को बदल डालो (1947) तथा शहीद (1948) फिल्मों में बड़े पर्दे पर नजर आए।

पार्श्व गायन का दौर

विभाजन के बाद, वे हिंदी और पंजाबी फिल्मों में पार्श्व गायन के लिए समान रूप से समर्पित हो गए। उन्होंने 105 पंजाबी फिल्मों में 262 गाने गाकर पंजाबी सिनेमा में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने पंजाबी फिल्म 'लच्छी' (1949) में पांच गीत गाए थे, जिनमें जग वाला मेला यारो और काली कंघी नाल अभी भी सरहद के आर-पार प्यार से सुने जाते हैं। अंततः वह पंजाबी सिनेमा में सबसे अधिक मांग वाले पार्श्वगायक बन गए। भाईया जी, छई, मदारी, पोस्ती, जुगनी, भंगड़ा, दो लछियां, गुड्डी, गीत बहारां दे, खेडन दे दिन चार, परदेसी ढोला, जैसी दर्जनों पंजाबी फिल्मों में उनकी आवाज़ का जादू सिर चढ़कर बोला।

लोकप्रियता के स्वर

रफी के अत्यंत लोकप्रिय पंजाबी फिल्म गीतों में अजी ओ मुंडा मोह लेया (छई); दढ़ वट ज़माना कट भले दिन आवणगे (जुगनी); जट्ट कुड़ियां तो डरदा मारा (भंगड़ा); दाना-पानी खिच के लिआउंदा (गुड्डी); जी करदा ऐ इस दुनिया नूं (गीत बहारां दे); मित्तर प्यारे नूं (नानक नाम जहाज है); रुस्के तूं चल्ली गई (पापी तारे अनेक) इत्यादि शुमार किए जाते हैं।

1950-60 के दशक में मोहम्मद रफ़ी की अलौकिक आवाज़ में रिकार्डेड सर्वकालिक गुरबाणी शब्द 'हर को नाम सदा सुखदाई' और 'जिस सर ऊपर तू स्वामी' सुबह नियमित रूप से गुरुद्वारों के सामुदायिक लाउडस्पीकरों से सुनाई पड़ते थे। उनके कई पंजाबी लोक गीत जैसे साडी रुस गई झांझरां वाली और हीर रांझा ओपेरा बेहद लोकप्रिय हुआ। रफ़ी द्वारा संगीतबद्ध किये आठ गैर-फ़िल्मी गीतों का एक एलपी भी जारी हुआ था।

संगीत की नयी अवधारणा

मोहम्मद रफी की आवाज़ में कलाकार के अभिनय की अनुकूलता का अनूठा समावेश था। उन्होंने 'सामान्य सप्तक' के बजाय 'डेढ़ सप्तक में गायन अवधारणा को प्रस्तुत करके हिंदी फिल्म संगीत में आमूल परिवर्तन किया। मोहम्मद रफी ने श्याम सुंदर से लेकर बप्पी लाहिड़ी तक सभी संगीतज्ञों के साथ पार्श्व-गायन किया। रफी की पार्श्व-गायन यात्रा में फिल्म 'बैजू बावरा' (1952) मील का पत्थर साबित हुई। उन्होंने अंग्रेजी, फारसी, अरबी, सिंहली, क्रियोल व डच लेंग्वेज के साथ ही भारत की विभिन्न भाषाओं में छह हज़ार से अधिक गीत-गाने गाए हैं। फिल्म 'आस पास' का टाइटल गीत उनके जीवन का अंतिम गीत था।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की स्मृति में कालजयी सुनो सुनो ऐ दुनिया वालो गीत के लिए उन्हें तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने रजत-पदक प्रदान किया था। 1965 में उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया गया। उन्होंने छह बार सर्वश्रेष्ठ पार्श्वगायक होने पर फिल्मफेयर पुरस्कार जीते और वर्ष 1977 में क्या हुआ तेरा वादा गीत के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्राप्त किया। 31 जुलाई, 1980 को मोहम्मद रफी की असामयिक मृत्यु हो गई, परन्तु वो अब भी संगीत-क्षितिज पर एक ध्रुव तारे की तरह चमक रहे हैं।

आज भी गुदगुदाती हैं कॉमेडी फिल्में

हिंदी फिल्मों की पहली कॉमेडी फिल्म चलती का नाम गाड़ी को माना जा सकता है। इसके बाद समय-समय पर कॉमेडी फिल्में दर्शकों को गुदगुदाती रहीं। लेकिन, समय के साथ कॉमेडी का ट्रेंड बदला और दर्शकों की पसंद भी! वर्ष 1958 में बनी किशोर कुमार की फिल्म चलती का नाम गाड़ी में किशोर के साथ उनके दो भाई अशोक कुमार और अनूप कुमार ने भी काम किया था। यह फिल्म अपनी शैली की पहली ऐसी फिल्म थी, जिसके विषय में ही हास्य समाहित था। इस फिल्म के पहले फिल्मों में कॉमेडी होती थी, पर पूरी तरह कॉमेडी फिल्में नहीं बनी।

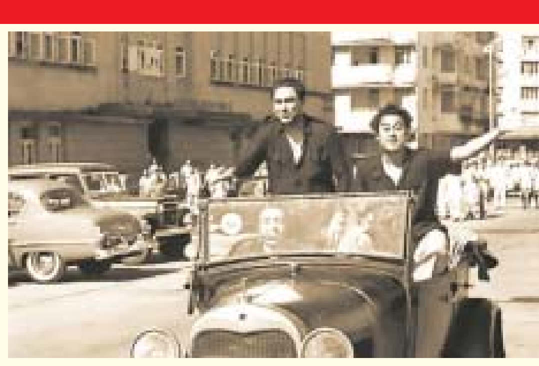

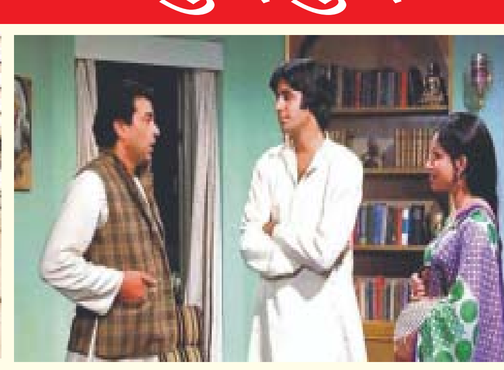

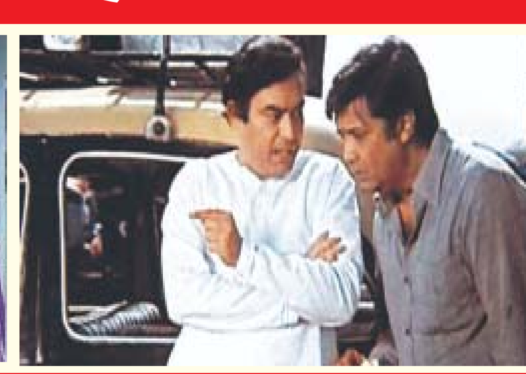

कॉमेडी फ़िल्में बनाना और दर्शकों का उसे पसंद किया जाना दो अलग-अलग बातें हैं। फिल्म इतिहास में चंद ऐसी कॉमेडी फ़िल्में हैं, जिन्हें लोग आज भी याद करते हैं। हिंदी फिल्मों की पहली कॉमेडी फिल्म चलती का नाम गाड़ी को माना जा सकता है। इसके बाद समय-समय पर कॉमेडी फिल्में दर्शकों को गुदगुदाती रहीं। लेकिन, समय के साथ कॉमेडी का ट्रेंड बदला और दर्शकों की पसंद भी! वर्ष 1958 में बनी किशोर कुमार की फिल्म चलती का नाम गाड़ी में किशोर के साथ उनके दो भाई अशोक कुमार और अनूप कुमार ने भी काम किया था। यह फिल्म अपनी शैली की पहली ऐसी फिल्म थी, जिसके विषय में ही हास्य समाहित था। इस फिल्म के पहले फिल्मों में कॉमेडी होती थी, पर पूरी तरह कॉमेडी फिल्में नहीं बनी। यह एक तरह का पहला प्रयोग था, जो सफल रहा! इस फिल्म को कॉमेडी फिल्मों का ट्रेंड सेटर कहा जाता है। इसके बाद 1962 में आई फिल्म 'हाफ टिकट' में किशोर कुमार की एक्टिंग को लोग आज भी याद करते हैं।

कथानक में सहज हास्य

वर्ष 1968 में आई पडोसन का कथानक भी हंसी-मजाक से भरा था। इस फिल्म के हर पात्र ने अपनी सहज कॉमेडी से दर्शकों को हंसने पर मजबूर किया। इस फिल्म में पड़ोसी लड़की को प्रभावित करने और उससे प्रेम करने की कोशिश को बेहद चटपटे अंदाज में कहा गया था। गांव के गेटअप वाले भोले (सुनील दत्त) का दिल उनकी पड़ोसन बिंदू (सायरा बानो) पर आ जाता है। बिंदू को संगीत का शौक है, उसे संगीत सिखाने मास्टर जी बने महमूद रोज आते हैं। साल 1972 में आई बॉम्बे टू गोवा अमिताभ बच्चन के अभिनय वाली फिल्म थी। ये फिल्म एक ऐसी लड़की की कहानी है, जो एक हत्या की गवाह होने के बाद कशमकश में है। बस में उसकी मुलाकात कंडक्टर अभिताभ बच्चन से होती है। यह एक ऐसी मजेदार सवारी बस होती है, जो भारत के विभिन्न धर्मों और मान्यताओं के लोगों को एक साथ लेकर शुरू होती है। अमिताभ बच्चन के साथ एक रोमांचक सफर और शानदार गानों के साथ यह फिल्म काफी पसंद की गई!

सिचुएशनल कॉमेडी की शुरुआत

ऋषिकेश मुखर्जी की 1975 में आई चुपके-चुपके को सिचुएशनल कॉमेडी की पहली फिल्म माना जा सकता है। इस फिल्म को देखते वक्त तो दर्शक हंसते ही हैं, बाद में भी फिल्म के दृश्य उन्हें गुदगुदाते हैं। फिल्म में धर्मेंद्र का एक नया रूप दिखाई दिया था। प्रो परिमल त्रिपाठी बने धर्मेंद्र अपने स्टाइल से दर्शकों को हंसाते हैं। फिल्म का हास्य तब चरम पर पहुंचता है, जब अंग्रेजी के प्रो सुकुमार सिन्हा (अमिताभ बच्चन) परिमल त्रिपाठी बनकर जया बच्चन को बॉटनी पढ़ाते हैं। ऋषिकेश मुखर्जी की ही फिल्म गोलमाल को भी बेस्ट कॉमेडी फिल्म माना जाता है। वर्ष 1979 में आई इस फिल्म में अमोल पालेकर ने पहली बार अपनी संजीदा पहचान से बाहर निकलकर कॉमेडी की थी। अमोल पालेकर ने इस फिल्म में दो किरदार निभाए थे। राम प्रसाद और लक्ष्मण प्रसाद की ये भूमिकाएं अलग ही ढंग से दर्शकों को हंसातीं। एक ही व्यक्ति मूंछों के साथ अलग तरह से बर्ताव करता और बिना मूंछों के दूसरे तरह से। मजे की बात यह थी कि दोनों की ही अलग-अलग पहचान थी। इस फिल्म का हास्य मूंछ लगाकर अभिनय करने और मूंछ न होने के डर में छुपा है। सई परांजपे की 1981 में आई फिल्म चश्मे बद्दूर भी ऐसी फिल्म थी, जिसे आज भी याद किया जाता है। ये दिल्ली के तीन बेरोजगार नौजवानों की कहानी है। इन तीनों को नौकरी के साथ प्रेमिका की भी जरूरत होती है। हास्य का ताना-बाना इसी दूसरी जरूरत के इर्द-गिर्द है। फिल्म में फारुख शेख, रवि वासवानी और राकेश बेदी के अलावा दीप्ति नवल भी थीं।

बदला अंदाज गुलजार का

गुलजार जैसे गंभीर फिल्मकार ने 1982 में अंगूर बनाकर अपनी नई पहचान से दर्शकों को अवगत कराया था। यह कॉमेडी अंग्रेजी प्ले कॉमेडी ऑफ इरर पर आधारित थी। फिल्म का हास्य दो जुड़वां जोड़ियों के हमशक्ल होने की वजह से गढ़ा गया था। यहां एक जैसे चेहरे वाले दो आदमियों की दो जोड़ियां होती हैं। संजीव कुमार नौकर बने देवेन वर्मा के साथ उसी शहर में पहुंच जाते हैं, जहां पहले से ही संजीव कुमार और देवेन वर्मा की एक जोड़ी रह रही होती है। साल 1983 की फिल्म जाने भी दो यारो राजनीति, मीडिया और नौकरशाही की बुराइयों पर एक सटीक व्यंग्य था। फिल्म के निर्देशक कुंदन शाह गंभीर समस्याओं पर प्रकाश डालने में शानदार तरीके से कामयाब रहे। उत्कृष्ट कलाकारों जैसे नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी, पंकज कपूर, सतीश शाह, सतीश कौशिक और नीना गुप्ता ने इस फिल्म में शानदार अभिनय किया है, जिसके कारण निर्देशक और अभिनेताओं को कुछ अवार्डों से भी सम्मानित किया गया। फिल्म को गति तब मिलती है जब नसीरुद्दीन शाह और रवि वासवानी द्वारा खींचे गए एक फोटो से एक व्यक्ति आत्महत्या कर लेता है। यह लगातार कई ट्विस्टों और छलकपटों का कारण बनता है।

ट्रेंड सेटर नुस्खा

1994 में आई अंदाज अपना अपना उस दौर में आई थी, जब कॉमेडी फिल्में लगभग बंद हो गई थीं। राजकुमार संतोषी की यह फिल्म अपने अंदाज और कॉमेडी की परफेक्ट टाइमिंग से दर्शकों को हंसाती है। उस दौर के दो सुपर स्टार सलमान खान और आमिर खान एक साथ फिल्म में थे। साल 2000 में परदे पर आई प्रियदर्शन की फिल्म हेराफेरी नए दौर की कॉमेडी को लेकर ट्रेंड सेटर फिल्म कही जा सकती है। इस फिल्म के बाद फिल्मकारों को जैसे कॉमेडी फिल्म बनाने का कोई नुस्खा मिल गया। प्रियदर्शन ने भी इसके बाद इस शैली की कई फिल्में बनाई। फिल्म में अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का हास्य नौसिखिए लोगों द्वारा किडनैपिंग का एक अधकचरा प्लान बनाकर पैसे कमाने की मानसिकता से उपजता है। वहीं 2003 में आई फिल्म 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' एक बेहतरीन कॉमेडी फिल्म थी। इस फिल्म में संजय दत्त और अरशद वारसी की एक्टिंग को लोग आज भी याद करते हैं। तीन साल बाद 2006 में इसका सीक्वल लगे रहो मुन्नाभाई भी आया जो खूब चला!

द्वअर्थी संवादों का तड़का

अनीस बज्मी की 2005 की फिल्म नो एंट्री का हास्य शादी के बाद बनने वाले अफेयर की वजह से शुरू होता है। फिल्म के पात्र अफेयर तो कर लेते हैं, पर उसे सही तरीके से हैंडिल न कर पाने की वजह से उनकी हालत बेचारों जैसी हो जाती हैं। फिल?म में अनिल कपूर, सलमान खान और फरदीन खान की तिकड़ी है। डर-डरकर इश्क कर रहे नायक की भूमिका में अनिल कपूर खूब जंचे हैं। इसी साल आई क्या कूल हैं हम एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म थी। फिल्म का हास्य द्विअर्थी संवादों से रचा गया था। फिल्म में द्विअर्थी स्टाइल वाले जो संवाद छुपकर बोले जाते थे, इस फिल्म में उनका सरेआम प्रयोग हुआ। संवाद के साथ फिल्म के दृश्यों में भी विषयगत रोमांटिक कॉमेडी थी। फिल्म के कई दृश्य वाकई हास्य पैदा करते हैं। युवाओं के बीच यह फिल्म खूब लोकप्रिय हुई।

सेफ सिटी के तहत आयुक्त ने शहर को सीसीटीवी से लैस करने के लिए हुई समीक्षा बैठक

इंडस्ट्रियल एरिया, कोंचिग, अस्पताल, स्कूल, पेट्रोल पंप, होटलों के कैमरे होगे कंट्रोल रूम से लिंक

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहरों को महिलाओं की सुरक्षा के दृष्टिगत सेफ सिटी के रूप में विकसित करने के लिए शहर को सीसीटीवी कैमरों से लेस कर उन्हें डेडीकेटेड स्मार्ट सिटी कन्ट्रोल रूम से लिंक किया जा रहा है। वर्तमान में शहर में अभी तक विभिन्न दुकानों के 321, स्कूलों के 11, कानपुर स्मार्ट सिटी लि. के 624, नगर निगम के 39, अस्पतालों के 9, पैट्रोल पंपों के 30, ऑटोमोबाइल के 82, केडीए के 7, एनएचएआई के 8, लैबों के 1, पुलिस चौकियों के 20, उद्योगों के 114, बैंक एवं एटीएम के 428 एवं यूपीएसआरटीसी बस स्टेण्ड के 26 कैमरों सहित कुल 1720 कैमरे लगे हैं, जिनका डाटा कानपुर स्मार्ट सिटी लि. की लिंक किया

जा चुका है। जमीनी स्थिति की समीक्षा करने तथा शहर को अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरों से लैस कर उन्हें एक ही स्थान पर मानीटर करने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और शहर को जल्द से जल्द से महिलाओं के लिए सेफ सिटी बनाये जाने के उद्देश्य से रविवार को मण्डलायुक्त डॉ. राज शेखर द्वारा आयुक्त शिविर कार्यालय में जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर निगम, कानपुर स्मार्ट सिटी, परिवहन विभाग, एनएचएआई, मैट्रों, पर्यटन, महिला कल्याण एवं अन्य सम्बन्धित विभागों के साथ समीक्षा बैठक की गयी। बैठक में आयुक्त ने जनसंख्या और क्षेत्रफल की दृष्टि से शहर कैमरें बहुत कम है, इसे और बढ़ाया जा सकता है। इसके लिए शहर के सभी बड़े विभागों को एक लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसे सम्बन्धित विभागों द्वारा जन सहभागिता के सहयोग से अभी तक लगे कैमरों को आईसीसीसी से लिंक कराना। शहर में स्कूल, कॉलेज तथा कोचिंग संस्थानों की संख्या अधिक है, जिसके सापेक्ष वर्तमान में बहुत कम संख्या में कैमरों की सूचना उपलब्ध कराई गई। निर्देशित किया गया कि शहर के सभी स्कूल/कॉलेज/कोचिंग में आईपी बेस्ड कैमरें लगवाये जाएं। नोडल अधिकारी सेफ सिटी/आईसीसीसी, नगर निगम एवं नोडल अधिकारी टेक महिन्द्रा प्रतिदिन की गई कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को अवगत कराये। शहर में इंडस्ट्रियल एरिया में 1000 कैमरे, 500 व्यापारिक प्रतिष्ठानों में, 200 अस्पतालों में, 141 पैट्रोल पंपों में, 235 होटलों के साथ ही समस्त पुलिस चौकियों, मेडिकल स्टोर, बैंकों, एटीएम, मदिरा की दुकानों के प्रवेश द्वार, निकास द्वार, रोड साइड, व पब्लिक एरिया को आच्छादित करने वाले कुल 5000 आईपी बेस्ड कैमरें लगावाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे आयुक्त द्वारा सेफ सिटी के अगली बैठक दिनांक 17 फरवरी को आयुक्त शिविर कार्यालय में की जायेगी।बैठक में मुख्य रूप से आनन्द प्रकाश तिवारी अपर पुलिस आयुक्त, अतुल कुमार, अपर जिलाधिकारी, मंयक यादव केडीए, सूर्यकान्त त्रिपाठी अपर नगर आयुक्त, पुनीत कुमार मिश्र, उप निदेशक/उप मुख्य परिवीक्षा अधिकारी, मण्डल, द्वारा प्रतिभाग किया गया।

वैश्विक पटल पर प्रासंगिक हैं जीआईएल के उत्पाद

भारतीय आयुध निर्माणियों के पूर्व अध्यक्ष एवं महानिदेशक हरि मोहन का आगमन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय आयुध निर्माणियों (ओएफबी) के पूर्व अध्यक्ष व महानिदेशक हरि मोहन ने कहा कि जीआईएल के उत्पाद वैश्विक पटल पर अत्यंत प्रासंगिक होते जा रहे हैं। ग्लाइडर्स इण्डिया लिमिटेड की अद्वितीय इकाई आयुध पैराशूट निर्माणी (ओपीएफ) में आज भारतीय आयुध निर्माणियों (पूर्व में ओएफबी) के पूर्व अध्यक्ष व महानिदेशक हरि मोहन ने निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ बैठक की। इस अवसर पर ओपीएफ महाप्रबंधक सुशील सिन्हा ने उनका भावपूर्ण स्वागत किया। इस दौरान जीआईएल के सीएमडी (चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक) वी.के. तिवारी एवं निदेशक (परिचालन एवं मानव संसाधन) सुनील दाते व निदेशक (वित्त) सुरेन्द्र धापोड़कर भी उपस्थित रहे।भारतीय आयुध निर्माणियों के पूर्व अध्यक्ष व महानिदेशक हरि मोहन ने प्रदर्शनी कक्ष में जीआईएल के विभिन्न प्रकार के उत्पादों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पैराशूट के निर्माण में गुणवत्ता के साथ समयबद्ध आपूर्ति से व्यावसायिक उन्नति में गति आ रही है। यह संगठन के भविष्य के लिए शुभ संकेत हैं। उन्होंने कहा कि जीआईएल के पैराशूट बदलते वैश्विक पटल पर गुणवत्ता के साथ निरन्तर प्रासंगिक होते जा रहे हैं। उन्होंने निर्माणी की पी 2, पी 6 उत्पादनशाला एवं लैब का निरीक्षण किया। वहां विविध प्रकार के पैराशूटों की उत्पाद प्रक्रियों को देखा और सराहा। निरीक्षण के पश्चात् मिनी कांफ्रेंस हाल में अधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता के साथ निरन्तर उत्पादों में विशिष्टता का समावेश जरूरी है। इस अवसर पर संयुक्त महाप्रबंधक एस. बनर्जी, संयुक्त महाप्रबंधक विवेक गुप्ता, उप महाप्रबंधक राम ज्ञान सिंह, जीआईएल के कार्य प्रबंधक आशुतोष त्रिपाठी, कार्य प्रबंधक रूपेश कुमार, कार्य प्रबंधक ओमेश सिन्हा, कार्य प्रबंधक प्रशासन अमर दीप कुमार, अंकुर सिंह चौहान, सहायक कार्य प्रबंधक प्रियम् सिंह आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

तमंचा समेत शातिर अपराधी को पुलिस ने धर दबोचा

बीपीएस न्यूज

कानपुर । उ0नि0 कमलेश कुमार मय हमराह हे0का0 सर्वेश कुमार हे0का0 कर्मवीर प्रभारी निरीक्षक बिठूर कमि0 कानपुर नगर के कुशल निर्देशन में मु0अ0सं0 धारा भादवि के विवेचना मे मामूर था। जरिए मुखबिर खास सूचना मिली कि मु0अ0सं0 धारा भादवि से सम्बन्धित अभि0 आकाश उर्फ ललित पुत्र श्रवण दीक्षित निवासी सिंहपुर कछार थाना बिठूर कमि0 कानपुर नगर जिसकी आपको तलाश है वह व्यक्ति गम्भीरपुर मोड़ पर मंधना जाने वाली सड़क पर कहीं जाने की फिराक में खड़ा है। मुखविर खास की सूचना पर विश्वास करके मय हमराही कर्म गण व मुखविर खास के द्वारा बताये गये स्थान पर पहुंचा तो मुखविर ने दूर से इशारा किया कि साहब समने जो सावले कलर का व्यक्ति खड़ा है यह वही व्यक्ति है हम लोगो को देखकर तेज कदमो से चलने लगा। हमलोगो द्वारा पास जाकर उस व्यक्ति का नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम आकाश उर्फ ललित पुत्र श्रवण दीक्षित निवासी सिंहपुर कछार थाना बिठूर कमि0 कानपुर नगर बताया कि जामातलाशी ली गयी तो अभि0 के पास एक अदद तमंचा 315 बोर व एक अदद जिन्दा कारतूस व एक अदद खोखा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ बाद बरामदगी मु0अ0सं0 धारा भादवि थाना बिठूर कानपुर नगर मे धारा आर्म्स एक्ट की बढोत्तरी कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

धर्म विरोधी वक्तव्य के विरोध में संत समाज का महाप्रदर्शन

कई हिंदूवादी संगठन तथा पार्टियों के नेताओं सहित शहर के विशिष्ठ लोग हुए शामिल

कानपुर। संतों व महन्तों की अगुवाई में सैकडों हिंदूवादी संगठनों ने भारत प्रतिमा, घंटाघर पर एकत्र होकर भारी विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्षन में पहुंचे सिद्धनाथ धाम के महन्त बालयोगी अरूण चैतन्य पुरी महाराजने अपने सम्बोधन में धर्म विरोधी बयानों के प्रति रोष प्रकट किया तथा हिंदू धर्म को शांति का धर्म बताया। उन्होने कहा कि लागतार नेताओं द्वारा सनातन धर्म विरोधी वक्तव्य दिये जाते रहे है और उसी क्रम में श्री राम चरित मानस के विरूद्ध तथा कथित नेताओं द्वारा लगातार विषैले दुर्बचन का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे संपूर्ण विश्व के सनातनियों को घार आधात पहुंचा है और ऐसे सनातन विरोधी नेताओं के विरूद्ध समस्त सनातनियों को एक साथ खडे होकर विषैले वचन बोलने वाले नेताओं के फन को कुचल देना चाहिये, जिसका समय आ चुका है। प्रदर्शन के दौरान अखिल भारतीय मठ मंदिर समन्वय समिति की जिला अध्यक्ष किरण पांडेय, विजया अवस्थी, रश्मि जालान, पुष्पा शर्मा, मंजू जोशी, सुषमा शुक्ला, लक्ष्मी पांडेय, पूनत, अनुराधा, राजीव मिश्रा, धर्मेंद्र त्रिपाठी, देवराज जोशी, संदीप पाण्डे, विकास, गंगा सेवा समिति, विश्व हिंदू परिषद, हिंदू वाहिनी, बजरंग दल, हनुमत शक्ति, जागृति मिशन व अपने संगठन मौजूद रहे।

हिंदुओ व मुस्लिमों ने मिलकर मनाया हजरत अली का जन्मदिन

बीपीएस न्यूज-कानपुर। भारत देश की सुन्दरता ही यही है यहां सभी धर्म एक समान है और सभी लोग एक-दूसरे के धर्मो का सम्मान करते है। कई बार ऐसे भी अवसर आये जब हिंदू और मुस्लिमों ने एक होकर यह साबित कर दिया कि हम एक रहेगे तो हमारे देश की तरक्की होगी, आपसी भाईचारे से सभी वर्गो में प्रेम स्थापित होगा। इसी प्रकार ग्वालटोली विक्टोरिया मिल मस्जिद नवाब तिराहा में क्षेत्र के सभी हिन्दुओ तथा मुसलिम भाईयों ने मिलकर पूरे हर्षोल्लास केसाथ हजरत अली का जन्मदिवस मनाया।रसूल अल्लाह, मोहममद साहब के दामाद व चचेरे भाई हजरत अली थी तथा उनका जन्म खानेकाबा में 13 रजब, 30 हिजरी आमूल फील को हुआ था। आपके बेटे इमाम हुसैन ने जुल्म के समने कभी नही झुके और न उनके साथी झुके, जिसके कारण इन्होने अपने परिवार के 72 लोगों की कुर्बानी करबला के मैदान में दे दी। उनके जन्मदिन के अवसर पर कार्यक्रम का आयेजन किया गया साथ ही शर्बत वितरण कर खुशियां मनाई गयी। कार्यक्रम में अजहर भाई, एए रिजवरी, रिजवान आब्दी, अली खान, भानू, निशा पाठक, कैसर मेंहदी, शाह आलम, रामजी पाण्डेय, रफीक, आलीशान खान, जीशान खान आदि मौजूद रहे।

हिंदी निबन्ध 'सृजन और संदर्भ का लोकार्पण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। ज्वालादेवी विधा मंदिर पीजी कालेज, आनन्द बाग में डा0 अरूणिमा कुमार ज्वालादेवी पीजी कालेज, प्रो0 मधू श्रीवास्तव प्रो0 हिंदी विभाग आगरा, डा0 राधा भारद्वार राजकीय महाविधालय कुरसंडा हाथरस द्वारा लिखत पुस्तक हिंदी निबन्ध 'सृजन और संदर्भ का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के स्वागत से हुआ। डा0 अरूणिम कुमार द्वारा डा0 मधु श्रीवास्तव व राधा भारद्वाज के श्रमसाध्य तथा विद्वतापूर्ण कार्य की सराहने कते हुए उनसे सीखते रहने की बात कही। मुख्य अतिथि प्रो0 सूर्य प्रसाद दीक्षित ने कविता के अलावा सभी विधाओं को निबन्ध के अंतर्गत शामिल कारते हुए निबन्ध की शैलियों के रूप में व्याख्यायित किया। इस दौरान 50 निबन्धकारों के कथ्य शिल्प पर प्रकाश डाला गया। डा0 शिवकुमार दीक्षित ने कहा कि इस पुस्तक में जिज्ञासु पाठकों के लिए 20वीं सदी के निबन्धों और निबन्धकारों के दु:साध्य विवेचन को साध्य बनाया है। डा0 लक्ष्मीकांत ने दो खण्डों में विभाजित यह पुस्तक, गध की कसौटी कही जाने वाली विधा को समझने के लिए संदर्भ ग्रंथ की तरह महत्वपूर्ण बताया। डा0 योगेन्द्र प्रताप सिंह ने निबन्ध विधा पर काम करने की आवश्यकता पर जोर दिया तथा सृजन और संदर्भ पुस्तक को भविष्यमूलक तथा प्रेरणास्पद बताया तो वहीं डा0 राकेश शुक्ल ने कहा कि समय विशष में रचनारत निबन्धकारों की वैचारिकी को समझने के लिए यह एक महत्वपूर्ण पुस्तक है। कार्यक्रम का संचालन डा0 राधा भारद्वाज व आभार ज्ञापन डा0 मधु श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर डा0 खुशबू सिंह व डा0 तरन्नुम सबा द्वारा सम्पादित पुस्तक हिन्दी काव्य का भी विमोचन हुआ। कार्यक्रम में हिमांशु प्रधान, प्रचार्या डा0 गीता अस्थाना, डा0 प्रतिमा गंगवार, महाविधालय की प्राध्यापिकायें, शिक्षणेत्तर कर्मचारी के साथ प्रो0 वन्दना, प्रो0 शिखा श्रीवास्तव, प्रो0 सुधांशु सिंहा आदि उपस्थित रहे।

सूरजमुखी की खेती कर, कम समय में कमाए अधिक लाभ:डॉ. महक सिंह

बीपीएस न्यूज

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉ.बिजेंद्र सिंह के निर्देश के क्रम में आज निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ महक सिंह ने किसानों के लिए सूरजमुखी की खेती हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि सूरजमुखी महत्वपूर्ण तिलहनी फसल है।इसके बीजों में 45 से 50त्न तक तेल की प्राप्ति होती है।तथा इसमें प्रोटीन 20त्न तक पाई जाती है। उन्होंने बताया कि सूरजमुखी के बीजों में विटामिन बी1,बी3,बी6, मैग्नीशियम, फास्फोरस,प्रोटीन जैसे बहुत सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसलिए सूरजमुखी का प्रयोग आयुर्वेद में कई तरह की दवाइयों के लिए किया जाता है। सूरजमुखी की बुवाई का उत्तम समय फरवरी का दूसरा पखवारा उचित रहता है। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि सूरजमुखी की संकुल प्रजातियां जैसे-मॉडर्न, सूर्या, पीबी एनएसब-40 तथा संकर प्रजातियां एसएच- 3322, केवीएसएच-1, एमएसएफएच-17, वीएसएफ-1 प्रमुख है। उन्होंने बताया कि बुवाई कतारों में हल के पीछे चार से पांच सेंटीमीटर गहराई पर करनी चाहिए। लाइन से लाइन की दूरी 45 सेंटीमीटर होनी चाहिए। डॉ सिंह ने कहा कि 1 हेक्टेयर क्षेत्रफल के लिए संकुल प्रजाति का बीज 12 से 15 किलोग्राम तथा संकर प्रजाति का बीज 5 से 6 किलोग्राम की आवश्यकता होती है। उन्होंने सलाह दी है कि बीज बुवाई के पूर्व 12 घंटे पानी में भिगोकर साए में 3 से 4 घंटे सुखाकर 2 ग्राम कार्बेंडाजिम से शोधित कर बुवाई करे। उन्होंने कहा कि 100 किलोग्राम नत्रजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटाश प्रति हेक्टेयर है।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।